नई दिल्ली ■ शनिवार 11 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 13 ■ पृष्ठ 08

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 सबरीमाला मंदिर स्त्री-शक्ति का भारतीय विमर्श | 07 सीएसके खाता खोलने को बेताब | खूबसूरती के चक्कर में विवादों में आई आयशा टाकिया 08

वृंदावन में लुधियाना के श्रद्धालुओं की नाव यमुना नदी में पलटी

10 की मौत व 12 सुरक्षित निकाले

मथुरा। लुधियाना पंजाब से वृंदावन आए 32 श्रद्धालुओं से भरी एक नाव पंटून पुल से टकराकर यमुना नदी में पलट गई। इस हादसे में दस श्रद्धालुओं की मौत हो गई। गोताखोरों की मदद से 12 लोगों को बचा लिया गया है। इनमें से एक श्रद्धालु को संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। अन्य लोगों की खोज में बचाव कार्य में सेना के जवान और गोताखोर जुटे हैं। नदी से निकाले गए 10 शवों की शिनाख्त हो गई है। इस हादसे पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। मौके पर बचाव कार्य जारी है।

बताया गया कि 150 लोगों का दल लुधियाना, पंजाब और मुक्तेश्वर से वृंदावन आया था। शुक्रवार लगभग तीन बजे 32 लोग नाव में बैठकर यमुना नदी में सैर कर रहे थे। तभी केसी घाट पर इन्हीं श्रद्धालुओं की एक नाव पंटून पुल से टकराकर यमुना नदी में पलट गई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया। पुलिस और गोताखोरों ने नदी में डूबे लोगों को बचाने के लिए बचाव अभियान शुरू किया। नाव पलटने की सूचना पर दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है, जिससे बचाव कार्य में थोड़ी बाधा आई। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे की खबर पर केबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, विधायक राजेश चौधरी सहित मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, डीआईजी शैलेन्द्र कुमार, डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार ने मौके पर जायजा लिया और गंभीर लोगों को अस्पताल पहुंचाया एवं अधीनस्थों से पूरी जानकारी हासिल की।

मथुरा डीआईजी शैलेश कुमार पांडे ने वृंदावन नाव हादसे में 10 लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि पंटून पुल से टकराने के कारण नाव के पलटने की सूचना है। इस मामले में नाव में सवार लोगों की सही संख्या की जानकारी ली जा रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है।

जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने बताया स्थानीय गोताखोरों की मदद से राहत कार्य जारी है। 10 लोगों की दुखद मौत हो चुकी है। सेना के स्ट्राइक वन फोर्स के गोताखोर व एसडीआरएफ की टीम बचाव कार्य में जुटी है। अस्पतालों को भी अलर्ट कर दिया गया है। सभी घायलों का मुफ्त में इलाज चल रहा है। एसडीएम ऋतु सिरोही ने हादसे की वजह नाव पर ओवरलोड बताते हुए कहा कि नाव पर जरूरत से ज्यादा लोग सवार थे। अब तक 10 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

नाव पलटने से नदी में डूब कर मरने वालों की पहचान हो गई है। पुलिस के अनुसार पिंकी पत्नी चन्दर सिंह निवासी जागरऊ लुधियाना, आशा रानी पत्नी अर्जुन मीणा निवासी हिसार, कविता पत्नी विकास कुमार निवासी जागरऊ लुधियाना, मीनू निवासी फेस 2 डुंगरी लुधियाना, अंजू पत्नी रिंकेश गुलाटी, रिंकेश गुलाटी निवासी डुंगरी लुधियाना, चरणजीत निवासी लुधियाना, मधुर बहल पुत्र विजय निवासी गीता कॉलोनी लुधियाना, ईशान कटेरिया निवासी जागरऊ लुधियाना के शव नदी से निकाले गए हैं, जबकि अन्य की तलाश की जा रही है।

केबिनेट मंत्री सहित विधायक, मंडलायुक्त, एडीजी पहुंचे घटनास्थल पर वृन्दावन स्थित केसी घाट के निकट यमुना नदी में हुई दुर्घटना की खबर मिलते ही राज्य के गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, विधायक मांट राजेश चौधरी, अपर पुलिस महानिदेशक अनुपम कुलश्रेष्ठ, मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा, उप जिलाधिकारी सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अभिनव जे जैन मौके पर पहुंच गए। पुलिस के साथ एसडीआरएफ, अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा, सेना के गोताखोर आदि राहत बचाव कार्य में लगे हैं।

जिलाधिकारी ने हैल्पलाइन नम्बर किया जारी

जिला प्रशासन ने वृन्दावन स्थित केसी घाट के निकट यमुना नदी में हुई दुर्घटना की जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0565-2403200 जारी किया है। संबंधित किसी भी समस्या या जानकारी के लिए जिलाधिकारी के मोबाइल नंबर 9454417512, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ0 पंकज कुमार वर्मा के मोबाइल नंबर 9012881919/ 9454417583 तथा एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत के मोबाइल नंबर 9454401103 पर संपर्क किया जा सकता है।

> "जनपद मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।
>
> \- योगी अदित्यनाथ, सीएम

उपराष्ट्रपति वेंस ने तेहरान को चेताया, अमेरिका के साथ 'खेल' ना खेलो

वाशिंगटन। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से वार्ता के लिए इस्लामाबाद रवाना होने से पहले तेहरान को आगाह किया कि वह अमेरिका के साथ 'खेल' ना खेले। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने करीबी लोगों में से उस व्यक्ति को यह जिम्मेदारी सौंपी है, जो ईरान के साथ संघर्ष का सबसे अनिच्छुक समर्थक प्रतीत हो रहे हैं।

लेकिन अब वेंस को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह छह सप्ताह पहले शुरू हुए इस युद्ध का समाधान ढूंढ़े और अमेरिकी राष्ट्रपति की ईरान की 'पूरी सभ्यता' को नष्ट करने की चौंकाने वाली धमकी को चरितार्थ न होने दें। वेंस संघर्ष वाले क्षेत्रों में सैनिकों को भेजने के पक्ष में नहीं रहे हैं। वेंस पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान के साथ मध्यस्थता वार्ता का नेतृत्व करने के लिए शुक्रवार को रवाना हुए। पाकिस्तान जाने के लिए 'एयर फोर्स-टू' में सवार होते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम वार्ता के लिए उत्सुक हैं। मुझे लगता है कि यह सकारात्मक रहेगी। देखते हैं आगे क्या होता है। उन्होंने ट्रंप का हवाला देते हुए कहा कि अगर ईरानी सद्भावना से बातचीत करने को तैयार हैं, तो हम भी उनका स्वागत करने के लिए तैयार हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि अगर वे हमसे 'खेल' खेलने की कोशिश करेंगे, तो उन्हें पता चलेगा कि वार्ताकार दल इतना भी सहयोगी नहीं है।

वेंस ने कहा कि ट्रंप ने उन्हें बातचीत के तरीके के बारे में कुछ स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं, लेकिन उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। उपराष्ट्रपति ने अपने साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों के सवालों का जवाब नहीं दिया। वेंस की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब एक नाजुक और अस्थायी युद्धविराम टूटने की कगार पर है। ईरान की सार्वजनिक मांगों और अमेरिका तथा उसके सहयोगी इजराइल की मांगों के बीच का अंतर पाटने योग्य नहीं लगता।

अमेरिका में इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए राजनीतिक और आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। गौरतलब है कि वेंस दो साल बाद मतदाताओं से खुद को अगला राष्ट्रपति चुनने के लिए कह सकते हैं। वेंस के साथ ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल हैं, जिन्होंने ट्रंप और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने से पहले तेहरान के परमाणु और बैलिस्टिक हथियार कार्यक्रमों और पश्चिम एशिया में सशस्त्र 'प्रॉक्सी' (छद्म) समूहों के लिए उसके समर्थन के बारे में अमेरिकी चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से ईरानी वार्ताकारों के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता के तीन दौर में भाग लिया था। मंगलवार शाम को व्हाइट हाउस और ईरान द्वारा अस्थायी युद्धविराम की घोषणा के लगभग तुरंत बाद, दोनों पक्ष युद्धविराम की शर्तों को लेकर आपस में असहमत दिखे। ईरान ने जोर देकर कहा कि लेबनान में इजराइली युद्ध की समाप्ति युद्धविराम का हिस्सा है।

राशन घोटाला मामले में ईडी ने राज्य के 12 ठिकानों पर की छापेमारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राशन वितरण में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रवर्तन निदेशालय एक बार फिर सक्रिय हो गया है। शुक्रवार सुबह से पश्चिम बंगाल के कई जिलों में एक साथ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कोलकाता, हावड़ा, बनगांव और मुर्शिदाबाद सहित राज्य के कुल 12 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। जांच एजेंसी राशन वितरण की प्रक्रिया और उससे जुड़े वित्तीय लेनदेन की पड़ताल कर रही है। कोलकाता में बसंत कुमार रोड स्थित एक व्यवसायी के आवास पर सुबह-सुबह प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी पहुंचे। यहां राशन वितरण के तौर-तरीकों और आपूर्ति के नेटवर्क को लेकर संबंधित व्यवसायी से पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा शहर के पोद्दार कोर्ट और मिंटो पार्क इलाके में भी कई स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है। दूसरी ओर, रानीगंज में अजय कोयाल नामक व्यवसायी के घर पर भी प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा। अजय कोयाल का रानीगंज में लंबे समय से चावल का कारोबार है।

नीतीश कुमार व हरिवंश ने ली राज्यसभा की सदस्यता की शपथ

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यसभा के निवर्तमान उपसभापति हरिवंश ने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने संसद भवन में उनको शपथ दिलाई।

इस अवसर पर सदन के नेता और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे। 69 वर्षीय हरिवंश का पिछला कार्यकाल 09 अप्रैल को पूरा होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज उनको मनोनीत किया। उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के राज्यसभा सदस्य के रूप में कार्यकाल पूरा होने के बाद एक सीट रिक्त हो गयी थी। राज्यसभा में कुल 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं। इन सदस्यों को कला, साहित्य, विज्ञान, समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के आधार पर चुना जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नीतीश कुमार, हरिवंश को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने पर दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यसभा के निवर्तमान उपसभापति हरिवंश को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपने संदेश में नीतीश कुमार और हरिवंश को शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि नीतीश कुमार देश के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं। सुशासन को लेकर उनकी प्रतिबद्धता की हर तरफ सराहना हुई है।

पाकिस्तान में गुरुद्वारों के दर्शन के लिए भारतीय श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

अमृतसर। खालसा साजना दिवस (वैसाखी) के पावन अवसर पर पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन के लिए पूरे भारत से करीब 2840 सिख श्रद्धालु शुक्रवार सुबह अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान के लिए रवाना हुए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की ओर से लगभग 1763 श्रद्धालुओं का जत्था विशेष रूप से रवाना किया गया।

इसके अलावा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और हरियाणा कमेटी ओर अन्य राज्यों से श्रद्धालु भी इस जत्थे में शामिल हैं। इस तरह कुल 2840 श्रद्धालु पाकिस्तान में खालसा साजना दिवस मनाने और गुरुधामों के दर्शन के लिए जा रहे हैं। एसजीपीसी की ओर से इस जत्थे की अगुवाई सदस्य सुरजीत सिंह तुगलवाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिख श्रद्धालु अपने गुरुधामों के दर्शनों के लिए गहरी श्रद्धा और आस्था रखते हैं। यह जत्था पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारा ननकाना साहिब, गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब (हसन अब्दाल) सहित अन्य ऐतिहासिक गुरुद्वारों में मत्था टेकेगा और मुख्य समागम में भाग लेने के बाद 19 अप्रैल को भारत लौटेगा। श्रद्धालुओं को 10 दिन का वीजा दिया गया है।

एसजीपीसी के अधिकारियों ने बताया कि इस जत्थे के लिए 1795 पासपोर्ट पाकिस्तान दूतावास को भेजे गए थे, जिनमें से 1763 को वीजा जारी किया गया, जबकि 32 श्रद्धालुओं के वीजा आवेदन खारिज कर दिए गए। जिन श्रद्धालुओं को वीजा नहीं मिल पाया, उनमें निराशा देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने इस मौके पर दोनों देशों की सरकारों से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को वीजा दिया जाए, ताकि हर कोई अपने गुरुधामों के दर्शन कर सके। साथ ही उन्होंने करतारपुर कॉरिडोर को और सुविधाजनक बनाने और पाकिस्तान सरकार द्वारा लगाए गए 20 डॉलर शुल्क को समाप्त करने की मांग भी उठाई। इस मौके पर एसजीपीसी के सचिव कुलवंत सिंह मन्नन ने बताया कि 14 अप्रैल को खालसा साजना दिवस के उपलक्ष्य में यह यात्रा आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि यह 10 दिनों की धार्मिक यात्रा है, जिसमें श्रद्धालु पाकिस्तान के विभिन्न गुरुद्वारों में माथा टेकेंगे और खुशी-उत्साह के साथ वापस लौटेंगे।

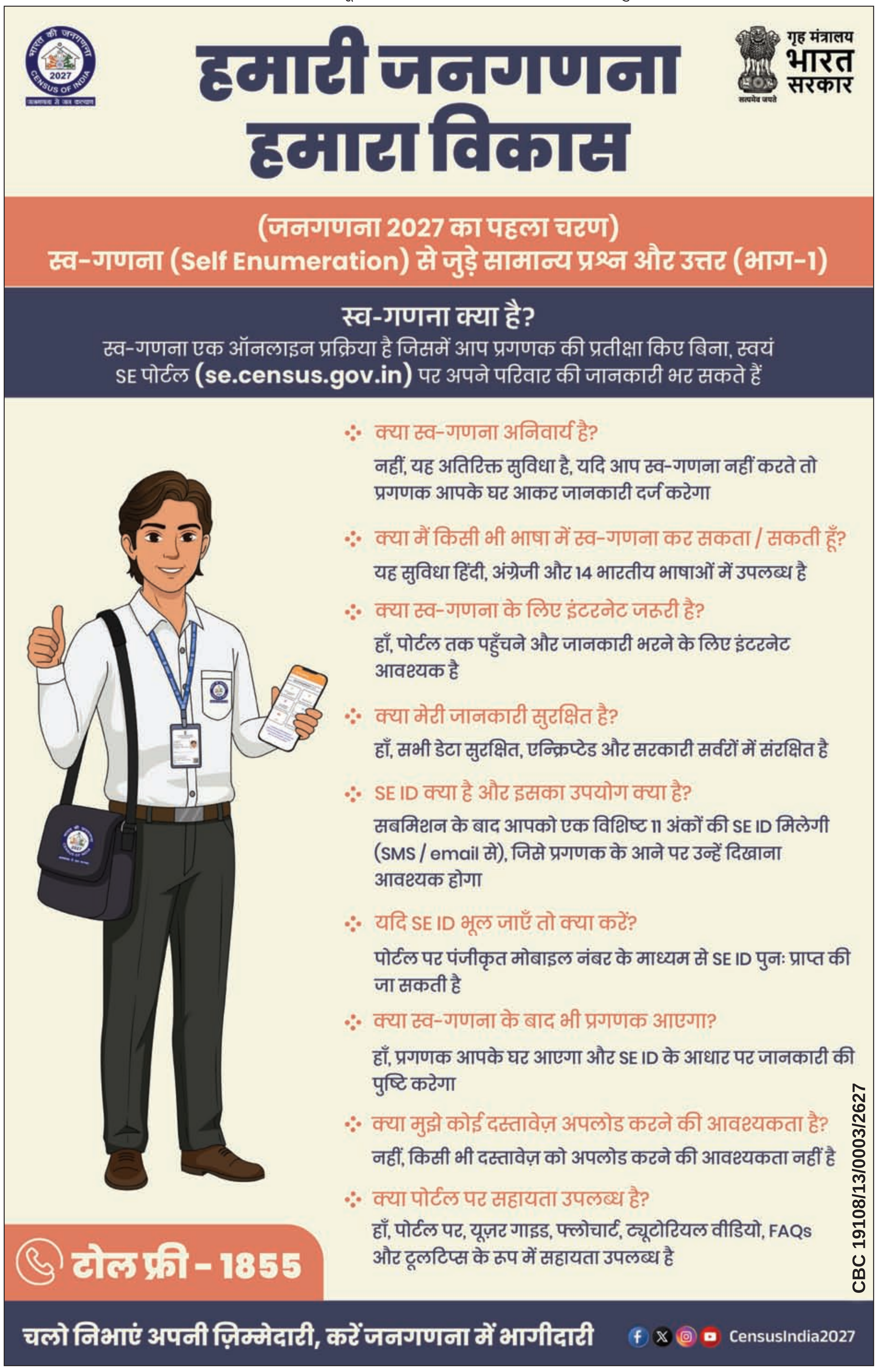

छोटे मन से कोई बड़ा नहीं हो सकता : राजनाथ सिंह

नोएडा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को गौतम बुद्ध नगर स्थित नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते उन्होंने कहा कि छोटे मन का व्यक्ति हमेशा ईर्ष्या ,कुंठा और हताशा के दौर से गुजरता है। उसके जीवन में सुख की प्राप्ति नहीं होती है। छोटेपन के व्यक्तित्व के आदमी के जीवन में आनंद की प्राप्ति नहीं होती। परम आनंद की बात तो बहुत दूर की है। उन्होंने कहा कि आप अपना मन जितना बड़ा करते चले जाओगे खुशियां और सुख की मात्रा बढ़ती चली जाएगी, आनंद की मात्रा बढ़ती चली जाएगी। उन्होने कहा कि जितना मन बड़ा करोगे उतना ही परम आनंद पाओगे।

उन्होंने कहा कि परम आनंद की कोई मात्रा नहीं दर्शाई गई है। अगर जीवन में सुख प्राप्त करना चाहते हो, आनंद प्राप्त करना चाहते हो तो इस बात का बराबर ध्यान रखना की मन मे छोटापन मत आने दो। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई जी कहते थे कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं हो सकता, और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि दुनिया के ज्यादातर बुद्धिमान लोग सिर्फ कमर्शियल फायदे के लिए विज्ञान की खोज और रिसर्च का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी और विज्ञान का उपयोग इंसान की जिंदगी बेहतर बनाने की बजाय खुद के फायदे के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी के वैज्ञानिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मदद से गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन उन कंपनी के मालिकों ने उन वैज्ञानिकों से सारे खोज संसाधन उन लोगों को बेच दिया जो सुख साधन के सामग्री बनाते हैं। उन्होंने कहा कि समस्या तब गंभीर होती है जब हम कमर्शियल को सामाजिक सरोकारों से ऊपर रख देते हैं। उन्होंने कहा कि इस बात की जरूरत है कि टेक्नोलॉजी सिर्फ मार्केट की जरूरत की मांग से नहीं बल्कि मानवता की जरूरत के हिसाब से आगे बढ़नी चाहिए।

छात्रों को जिम्मेदारी का दिया संदेश

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने छात्रों को उनके भविष्य की जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि डिग्री हासिल करना केवल एक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने की शुरुआत है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपने जीवन का स्पष्ट लक्ष्य तय करें और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें। उनका कहना था कि आज के युवा ही देश का भविष्य तय करेंगे और उनके निर्णय आने वाले समय में देश की दिशा तय करेंगे।

मेहनत और अनुशासन को बताया सफलता की कुंजी

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में मेहनत, अनुशासन और समर्पण को सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने कहा कि जो छात्र अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं, वही जीवन में आगे बढ़ते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि समाज और देश के विकास में योगदान देना होना चाहिए।

200 से अधिक छात्रों को मिली उपाधि

इस कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्रों को स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध की उपाधियां प्रदान की गईं। 20 छात्रों को शोध उपाधि देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान छात्रों और उनके परिवारों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

एमिटी यूनिवर्सिटी के छात्र की मौत के मामले में तीन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर 126 क्षेत्र स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले 23 साल के छात्र हर्षित भट्ट की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से हुई मौत के मामले में उनकी मां की शिकायत पर थाना सेक्टर-126 थाने में घटना के समय उनके साथ मौजूद तीनों दोस्तों के खिलाफ हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सहायक पुलिस आयुक्त प्रवीण कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि बीते बुधवार शाम को परीक्षा खत्म होने के बाद हर्षित अपने तीन दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। शराब पीने के बाद वह गड्ढे में नहाने के लिए उतर गया। वह गहराई में चला गया और डूबने लगा। दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची और हर्षित को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होने बताया कि मृतक छात्र की मां की शिकायत पर शुक्रवार को उसके दोस्तों पर हत्या का धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच और साक्ष्य संकलन के बाद ही आरोपितों के खिलाफ कोई एक्शन लिया जाएगा। तीनों छात्र भी जांच में पूर्ण सहयोग करने की बात की है। बता दे हर्षित की मां दीप माला ने कहा था कि मुझे लगता है कि मेरे बच्चे की हत्या हुई है। मैं मॉर्चरी गई थी। मुझे बच्चे को दिखाया गया। उसके पूरे शरीर पर काले निशान थे। पीठ पर वी-आकार की चोट के निशान थे। मैं मांग करती हूं कि मामले की जांच हो। मेरे बेटे के साथ इन बच्चों ने जो भी किया है, मैं नहीं चाहती कि ये लोग जेल से छूटें। मेरा घर उजाड़ दिया। ऐसे में परिजनों की शिकायत के बाद मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। एसीपी ने बताया कि बुधवार को चारों छात्रों का एग्जाम था। परीक्षा के बाद वे खाली प्लॉट पिकनिक मनाने पहुंचे। वहां नहाने के लिए गड्ढे में उतर गए। पूछताछ में साथियों ने बताया कि वे पहले भी इस गड्ढे में नहा चुके थे, लेकिन इस बार हर्षित ज्यादा अंदर चला गया और डूबने लगा। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के करीब 20 मिनट के भीतर पुलिस और गोताखोर मौके पर पहुंच गई। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम भी बुलाई गई। इसके बाद हर्षित को गड्ढे से निकाला गया। शुरुआती पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में ड्रॉनिंग यानी पानी में डूबने से मौत की पुष्टि हुई है। फेफड़ों में रेत और पानी भरा हुआ है। बिसरा सुरक्षित रखा गया है।

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची-2026 मिली

नोएडा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूची) का प्रकाशन कर दिया गया। इसी क्रम में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अंतिम मतदाता सूची उपलब्ध कराने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम ने निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 एवं आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को औपचारिक रूप से सौंपा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन हो चुका है और आम नागरिक आगामी एक सप्ताह तक अपने संबंधित मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर जाकर सूची का अवलोकन कर सकते हैं। जनपद गौतमबुद्धनगर में कुल 15,05,082 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 8,23,304 पुरुष, 6,81,728 महिला तथा 50 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्र 61-नोएडाः 5,87,195 मतदाता (3,24,477 पुरुष, 2,62,708 महिला, 10 ट्रांसजेंडर)। विधानसभा क्षेत्र 62-दादरीः 6,05,204 मतदाता (3,28,244 पुरुष, 2,76,926 महिला, 34 ट्रांसजेंडर)। विधानसभा क्षेत्र 63-जेवरः 3,12,683 मतदाता (1,70,583 पुरुष, 1,42,094 महिला, 06 ट्रांसजेंडर)। उन्होंने मतदान केंद्रों की जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में कुल 743 मतदान केंद्र स्थापित हैं, जिनमें नोएडा में 233, दादरी में 303 तथा जेवर में 207 केंद्र शामिल हैं। वहीं, कुल 2,024 मतदेय स्थल बनाए गए हैं, जिनमें नोएडा के 811, दादरी के 794 और जेवर के 419 मतदेय स्थल शामिल हैं। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इनमें भाजपा के जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी, कार्यालय प्रभारी अनूप तिवारी, बसपा के जिला महासचिव राजकुमार गुर्जर, विधानसभा संयोजक मुकेश राठी, विधानसभा प्रभारी ओमप्रकाश सिंह, कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष नीरज लोहिया, आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष परशुराम चौधरी, दिलदार अंसारी तथा सीपीआईएम के प्रभारी मुकेश कुमार सहित अन्य शामिल रहे।

नोएडाः पत्नी ने पति पर लगाया मारपीट का आरोप

नोएडा। फेज-2 थाना क्षेत्र की एक सोसाइटी में पति द्वारा पत्नी की पिटाई का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने पति पर गाली-गलौज कर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-93बी स्थित ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी निवासी पीड़िता ईशा गोयल ने पुलिस को बताया कि वह सोसाइटी के एक फ्लैट में पति सौरभ गोयल के साथ रहती हैं। आरोप है कि पति उनसे आए दिन किसी न किसी बात को लेकर झगड़ा करता रहता है। यही नहीं, आरोपी मारपीट भी करता है। पीड़िता का कहना है कि वह 22 मार्च को घर पर थीं, तभी पति ने मामूली बात को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। गाली-गलौज का विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट की। किसी तरह वह आरोपी के चंगुल से छूटीं। इस दौरान उन्हें चोटें भी आईं। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

किस्त भरने पर भी जब्त की कार, कंपनी को ब्याज समेत पैसा लौटाने के आदेश

ग्रेटर नोएडा। पूरी किस्त जमा करने के बाद भी फाइनेंस कंपनी ने कार जब्त कर उसे बेच दिया। जिला उपभोक्ता आयोग ने अब फाइनेंस कंपनी पर 6 प्रतिशत ब्याज के हिसाब से उपभोक्ता को 8.5 लाख रुपये 30 दिनों के भीतर लौटाने के आदेश दिए हैं। आयोग के अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर और सदस्य अंजु शर्मा ने मामले की सुनवाई की। दरअसल, ग्रेटर नोएडा के तुस्याना गांव निवासी जितेंद्र ने साल 2012 में महेंद्रा एंड महेंद्रा फाइनेंशियल सर्विस लिमिटेड से एक कार फाइनेंस कराई थी।

तय शर्तों के अनुसार, उन्हें हर महीने 13,050 रुपये की किस्त जमा करनी थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि वह समय पर सभी किस्तों का भुगतान करते रहे। 26 अगस्त 2017 उनके दोस्त कार लेकर गए थे। जब वह ग्रेटर नोएडा वेस्ट के शाहबेरी गांव के पास पहुंचे तो कुछ लोगों ने उनकी कार रुकवा ली और हथियार दिखाकर कार छीनकर ले गए। बाद में कंपनी ने उनके पास फोन कर बताया कि बकाया किस्तों के कारण कार जब्त की गई है। जितेंद्र ने कंपनी को बताया कि उन्होंने सभी किस्तें जमा कर दीं हैं, यदि कोई बकाया है तो वह उसे भी चुका देगा। बावजूद कंपनी ने न तो कार वापस की न ही कोई संतोषजनक जवाब दिया। बाद में उन्हें पता चला कि उसकी कार किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी गई है।

काफी प्रयासों के बाद भी जब कंपनी ने कार और जमा रकम नहीं लौटाई तो उन्होंने जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई। आयोग ने इसे कंपनी का अनुचित व्यापारिक व्यवहार माना। आयोग ने कंपनी को ब्याज समेत पूरी रकम वापस करने के आदेश दिए हैं। साथ ही कहा कि पांच हजार रुपये मानसिक पीड़ा और पांच हजार रुपये वाद व्यय के रूप में भी भुगतान करने होंगे।

फर्जी वसीयत के जरिए संपत्ति पर दावे का आरोप

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर में फर्जी वसीयत के जरिए संपत्ति हड़पने के मामले में बृहस्पतिवार को कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। दिल्ली निवासी विपिन चोपड़ा ने बताया कि सेक्टर-61 नोएडा निवासी कृष्ण सैनी ने उनकी संपत्ति पर फर्जी दस्तावेज के जरिए दावा किया है। जबकि उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से उक्त संपत्तियों का वैध स्वामी घोषित किया गया है। न्यायालय के आदेश के आधार पर नोएडा सेक्टर-11 स्थित मकान समेत अन्य संपत्तियों का नामांतरण उनके नाम कर दिया गया है और नोएडा प्राधिकरण द्वारा हस्तांतरण भी किया जा चुका है। शिकायतकर्ता का कहना है कि कृष्ण सैनी ने 17 जून 2016 की एक कथित वसीयत के आधार पर उक्त संपत्ति पर अपना स्वामित्व जताया है, जबकि उप-रजिस्ट्रार दिल्ली से आरटीआई के जरिए मिली जानकारी के अनुसार ऐसी कोई वसीयत पंजीकृत नहीं है।

खरगे पर टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, हिमंता के खिलाफ पुतला दहन

नोएडा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ दिए गए बयान के विरोध में जिला-शहर कांग्रेस कमेटी गौतम बुद्ध नगर कार्यकर्ताओ द्वारा सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट पर जलूस निकाल कर प्रदर्शन किया। साथ ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का पुतला जलाने का भी प्रयास किया। जिसे पुलिस द्वारा रोक लिया गया। दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुए इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं का भारी जमावड़ा देखने को मिला। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की भी हुई। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर विरोध जताते हुए पुतला दहन किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला और वरिष्ठ नेता गौतम अवाना घायल हो गए। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश कर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वक्ताओं ने भाजपा पर विभाजनकारी और दलित विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया। इसके पश्चात कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी मेधा रूपम को ज्ञापन सौंपते हुए हिमंता विश्वसर्मा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि एक वरिष्ठ दलित नेता के खिलाफ इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी भाजपा की मानसिकता को उजागर करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस आंदोलन को और तेज करेगी। नोएडा नगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि इस तरह के बयान देश के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते हैं और कांग्रेस इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेगी। वहीं संगठन प्रभारी मुकेश शर्मा ने कहा कि भाजपा नेताओं की भाषा लगातार गिरती जा रही है और जनता इसका जवाब देगी। प्रदर्शन में कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक संबंधित मामले में ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ

प्रशासन-नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के आर्ट्र्स फैकल्टी में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समर्थन में आयोजित हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की। इस मौके पर डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, डीयू दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी, एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो और रजिस्ट्रार डॉ विकास गुप्ता सहित प्रिंसिपल, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रशासन और नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। जब महिलाएं निर्णय लेने वाले पदों पर पहुंचेंगी, तभी वे समाज, परिवार और अपनी जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी बदलाव ला सकेंगी। दिल्ली में चलने वाली 'लखपति बिटिया' और 'अनमोल' जैसी योजनाएं इसी संवेदनशील दृष्टिकोण का परिणाम हैं, जो महिला सशक्तीकरण और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करती हैं।

कार्यक्रम के दौरान 'अब नेतृत्व की बारी है, नारी शक्ति वंदन की जिम्मेदारी है' और 'सशक्त नारी, समृद्ध राष्ट्र' जैसे संदेशों के माध्यम से महिला नेतृत्व और समान प्रतिनिधित्व के महत्व को रेखांकित किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह 'बेटी बचाओ' से 'बेटी बढ़ाओ' तक की यात्रा को साकार करेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग दशकों पुरानी है। 1931 से शुरू हुई यह पहल कई चरणों से गुजरी और वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का कानून बनना इस लंबे संघर्ष का परिणाम है और अब इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनें और महिला सशक्तीकरण के इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दें। जब महिलाएं निर्णय प्रक्रिया में बराबरी से भाग लेंगी, तभी लोकतंत्र वास्तव में मजबूत बनेगा।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' देश में राजनीतिक प्रतिनिधित्व का नया अध्याय लिखेगा और भारत को एक अधिक सशक्त, संतुलित और प्रगतिशील लोकतंत्र के रूप में स्थापित करेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा, शिक्षकों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस ऐतिहासिक पहल के प्रति अपना समर्थन दर्ज कराया। यहां उपस्थित नागरिकों से अपील की गई कि वे इस पहल के समर्थन में आगे आएं और निर्धारित नंबर 9667173333 पर मिस्ड कॉल देकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

हस्ताक्षर अभियान के बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित चाय स्टॉल पर छात्राओं और महिला शिक्षकों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने सभी के साथ चाय पीते हुए उनकी राय, अनुभव और सुझावों को गंभीरता से सुना। इस आत्मीय बातचीत के माध्यम से मुख्यमंत्री ने न केवल युवाओं और शिक्षकों से सीधा संवाद स्थापित किया, बल्कि यह भी संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि और जनता के बीच संवाद जितना सरल और सहज होगा, नीतियां उतनी ही प्रभावी और जनोन्मुखी बनेंगी।

पूर्वी जिले में 'संपर्क सभा' का आयोजन, 256 पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। पूर्वी जिला पुलिस द्वारा शुक्रवार को आईपी एक्सटेंशन स्थित IPEX भवन में 'संपर्क सभा' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्वी जिला डीसीपी राजीव कुमार ने की, जिसमें विभिन्न रैंक के कुल 292 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

इस संपर्क सभा का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को अपनी समस्याएं, सुझाव और ड्यूटी से जुड़े मुद्दे खुलकर रखने का मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने सभी बातों को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित व प्रभावी समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इससे पुलिस बल के भीतर पारदर्शिता, आपसी संवाद और कल्याण को मजबूती मिली।इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य और समर्पित सेवा के लिए 256 पुलिसकर्मियों को प्रशंसा पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इन कर्मियों ने 'ऑपरेशन कवच', 'ऑपरेशन साइहॉक', मोबाइल रिकवरी और अन्य सराहनीय कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया।यह आयोजन पूर्वी जिला पुलिस के कर्मियों की प्रतिबद्धता, पेशेवर दक्षता और जनसेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है। पुलिस प्रशासन ने दोहराया कि वह अपने कर्मियों के कल्याण मनोबल बढ़ाने और जनता केंद्रित पुलिसिंग के लिए लगातार प्रयासरत है।

महावीर जयंती पर वीएमएमसी में कार्यक्रम, आचार्य लोकेशजी ने दिए अहिंसा के संदेश

नई दिल्ली। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज में महावीर जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जैन आचार्य आचार्य लोकेश ने कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांत आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक हैं और इनके माध्यम से अनेक वैश्विक समस्याओं का समाधान संभव है।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर पूर्व महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डा. डी. सी. जैन, प्रधानाचार्य डा. गीतिका खन्ना सहित कई विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों और नर्सों को सम्मानित भी किया गया।

आचार्य लोकेशजी ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांतों में विज्ञान और अध्यात्म का अद्भुत समन्वय है, जिसे अपनाकर जलवायु परिवर्तन, असमानता, हिंसा और युद्ध जैसी समस्याओं से निपटा जा सकता है। उन्होंने संतुलित जीवन के लिए इन मूल्यों को अपनाने पर बल दिया। मुख्य वक्ता डा. डी. सी. जैन ने कहा कि जैन जीवन शैली अपनाने से कई बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने "मेरा स्वास्थ्य मेरी जिम्मेदारी" सिद्धांत को महत्वपूर्ण बताते हुए शुद्ध और संतुलित आहार को स्वस्थ जीवन का आधार बताया।

प्रधानाचार्य डा. गीतिका खन्ना ने महावीर जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान महावीर की शिक्षाएं अध्यात्म और विज्ञान का समन्वय प्रस्तुत करती हैं, जो आज के समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। कार्यक्रम में डा. संदीप बंसल, प्रो. श्रीधर द्विवेदी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दिल्ली के चंदर विहार में एक मकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के चंदर विहार इलाके में शुक्रवार को एक घर में शॉर्ट-सर्किट के चलते अचानक आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आग से घर में रखा सामान जलकर राख हो गया। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट-सर्किट बताया जा रहा है। दमकल विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहा है।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दिल्ली गेट और बारापुला नालों में गाद हटाने के काम का लिया जायजा

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मानसून से पहले दिल्ली गेट और बारापुला नालों में गाद हटाने के काम की प्रगति का जायजा लेने के लिए आज यहां का दौरा किया।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि दिल्ली गेट पर लगभग 40 वर्षों से ढका हुआ नाला अब आखिरकार सफाई के लिए खोला जा रहा है। अब तक 21,000 मीट्रिक टन से अधिक गाद हटाई जा चुकी है, जो 70 फीसद से अधिक काम पूरा होने का संकेत है। उन्होंने कहा कि बारापुल्ला में गाद हटाने का काम 78 फीसद पूरा होने के करीब है और 31,000 मीट्रिक टन से अधिक गाद हटाई जा चुकी है।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि पूरे दिल्ली में नालों से गाद हटाने का काम पूरी गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि 77 नालों में से लगभग 50 फीसद गाद हटाने का काम पूरा हो चुका है और अब तक 14 लाख मीट्रिक टन से अधिक गाद हटाई जा चुकी है। लक्ष्य अभी भी 28 लाख मीट्रिक टन है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में मानसून की तैयारियों को समीक्षा बैठक की थी।

उन्होंने सभी विभागों को मानसून से पूर्व (30 जून तक) नालों से गाद निकालकर उसे चिन्हित स्थानों पर पहुंचाना का निर्देश दिया है।

राघव चड्ढा ने कहा- अपने काम को बोलने दूंगा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के साथ मतभेद की खबरों के बीच राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर "वॉयस रेज्ड, प्राइस पेड" शीर्षक से एक वीडियो साझा कर आप नेताओं पर तीखा हमला किया। इस वीडियो में उन्होंने संसद में उठाए गए विभिन्न मुद्दों की क्लिप्स को संकलित किया है। उन्होंने कहा कि अपने काम को बोलने दूंगा।

चड्ढा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि जो लोग मेरे संसदीय प्रदर्शन पर सवाल उठा रहे हैं, उनके प्रति पूरे सम्मान के साथ कहना चाहूंगा कि मेरा काम को बोलेगा। चड्ढा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए झूठ बताया। उन्होंने कहा कि वे संसद में जनता के मुद्दे उठाने के लिए जाते हैं, न कि केवल हंगामा करने के लिए। उल्लेखनीय है कि आप ने दो अप्रैल को राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता पद से हटा दिया था। पार्टी ने उन पर संसद में सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख न अपनाने तथा "सॉफ्ट पीआर" करने का आरोप लगाया था।

फर्जी डिग्री रैकेट का भंडाफोड़, 7 गिरफ्तार

गोविंदपुरी में चल रहा था फर्जी संस्थान, लाखों की ठगी का खुलासा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिले की गोविंदपुरी थाना पुलिस ने फर्जी डिग्री और प्रमाणपत्र बनाने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 2.79 लाख नकद, 31 मोबाइल फोन, 2 लैपटॉप, 2 प्रिंटर, एक वाई-फाई राउटर और भारी मात्रा में फर्जी डिग्रियां व दस्तावेज बरामद किए हैं। साथ ही 28 अन्य लोगों को बाउंड डाउन किया गया है। दक्षिण-पूर्वी जिले की एडिशनल डीसीपी जसबीर सिंह ने बताया कि 6 अप्रैल को गोविंदपुरी के रविदास मार्ग स्थित एक परिसर में फर्जी डिग्री रैकेट चलने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना पर एसीपी की देखरेख और इंस्पेक्टर के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने छापेमारी कर मौके से आरोपियों को दबोच लिया। इस संबंध में थाना गोविंदपुरी में मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी "महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी" नामक फर्जी संस्थान के नाम पर बैक-डेटेड डिग्रियां और माइग्रेशन सर्टिफिकेट बेचते थे। टेलीकॉलर खुद को संस्थान का फैकल्टी बताकर लोगों को झांसे में लेते थे। गिरोह गूगल एक्सेल शीट के जरिए डेटा मैनेज करता था और व्हाट्सएप के माध्यम से फर्जी ट्रांसक्रिप्ट भेजता था। आरोपियों ने 'WorkIndia' जैसे ऐप के जरिए स्टाफ भर्ती कर कंपनियों के कर्मचारियों का डेटा हासिल किया और उन्हें निशाना बनाया। पुलिस को मौके से बड़ी संख्या में फर्जी डिग्रियां, अंकतालिकाएं, खाली सर्टिफिकेट पेपर और पीड़ितों का रिकॉर्ड रखने वाले रजिस्टर मिले हैं। जब्त किए गए 31 मोबाइल फोन का इस्तेमाल लोगों को कॉल कर ठगी के लिए किया जाता था। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य नेटवर्क और इसमें शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है। शुरुआती जांच में आरोपियों का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है।एडिशनल डीसीपी ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है और जल्द ही और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

विश्व पार्किंसन दिवस पर एम्स में मंथन: समय पर पहचान और इलाज से बेहतर होगी मरीजों की जिंदगी

नई दिल्ली। विश्व पार्किंसन दिवस के अवसर पर राजधानी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में शुक्रवार को एक अहम प्रेस मीट आयोजित की गई। इस दौरान पार्किंसन बीमारी से जुड़ी नई जानकारी, आधुनिक इलाज और जागरूकता को लेकर देश के प्रमुख विशेषज्ञ विस्तार से चर्चा किया।यह प्रेस कॉन्फ्रेंस एम्स के अकादमिक ब्लॉक के समिति कक्ष में आयोजित की गई, जिसमें न्यूरोलॉजी और न्यूरो-सर्जरी विभाग के डॉ. पी. शरद चंद्रा एचओडी न्यूरोसर्जी, डॉ. सतीश वर्मा न्यूरोसर्जी, डॉ. अनिमेष दास न्यूरोलॉजी एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. ए. इलावरसी न्यूरोलॉजी एसोसिएट प्रोफेसर के साथ डॉ. मंजरी त्रिपाठी, HOD न्यूरोलॉजी शामिल हुई।विशेषज्ञों के मुताबिक, पार्किंसन एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जो मस्तिष्क में डोपामाइन बनाने वाली कोशिकाओं के क्षय के कारण होती है। इसके प्रमुख लक्षणों में हाथ-पैरों में कंपकंपी, मांसपेशियों में अकड़न, शरीर की गति धीमी होना और संतुलन में कमी शामिल हैं। इसके अलावा गंध की क्षमता कम होना, नींद की समस्या, कब्ज और अवसाद जैसे लक्षण भी समय के साथ सामने आते हैं।डॉक्टरों का कहना है कि इस बीमारी का अभी तक कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन समय पर पहचान और दवाओं जैसे लेवोडोपा के जरिए इसके लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है। साथ ही, सही इलाज और नियमित निगरानी से मरीजों की जीवन गुणवत्ता में सुधार संभव है। डॉक्टरों ने बताया कि पार्किंसन का कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन दवाओं और थेरेपी के जरिए मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क करें।

नकली ऑटो पार्ट्स रैकेट का भंडाफोड़, 10 लाख का माल जब्त, 3 आरोपी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने राजधानी में नकली दोपहिया वाहन स्पेयर पार्ट्स बनाने और बेचने वाले बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान करीब 10 लाख के नकली ऑटो पार्ट्स और पैकेजिंग सामग्री बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रियाजुद्दीन, अनिल कुमार और अर्जुन कुमार के रूप में हुई है।

क्राइम ब्रांच डीसीपी पंकज कुमार ने बताया कि इंद्रलोक, झंडेवालान और मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया में छापेमारी कर TVS और ASK जैसे नामी ब्रांड्स के नकली ब्रेक शूज, पैकेट, स्टिकर और बॉक्स जब्त किए गए। साथ ही एक अवैध प्रिंटिंग यूनिट का भी भंडाफोड़ हुआ है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नकली ब्रांडेड पैकेजिंग तैयार कर बाजार में सप्लाई कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि दो आरोपी पहले भी ट्रेडमार्क उल्लंघन के मामलों में शामिल रह चुके हैं।

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल का बड़ा एक्शन: ISI-BKI मॉड्यूल का भंडाफोड़, 11 आरोपी गिरफ्तार

संवेदनशील ठिकानों के पास लगे 9 सोलर CCTV कैमरे बरामद, हथियारों के साथ बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दो बड़े ऑपरेशन में अंतरराज्यीय आतंकी, हथियार तस्करी और जासूसी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मॉड्यूल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़ा हुआ था। दिल्ली पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान प्रमोद कुशवाहा एडिशनल सीपी स्पेशल सेल ने बताया कि आरोपी एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में थे और उनके निर्देश पर देश की सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां जुटा रहे थे। डीसीपी प्रवीण कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में एसीपी और इंस्पेक्टर की टीम ने कार्रवाई करते हुए इनके पास से 9 सोलर पावर्ड सीसीटीवी कैमरे (SIM कार्ड के साथ),4 पिस्टल (3 PX5 और 1 देसी),24 जिंदा कारतूस, 24 मोबाइल फोन,2 चार पहिया वाहन और 2 मोटरसाइकिल बरामद किया हैं।आरोपी सीसीटीवी कैमरे देश के अलग-अलग संवेदनशील इलाकों– जैसे आर्मी कैंट, BSF कैंप और अन्य सुरक्षा प्रतिष्ठानों–के पास लगाए गए थे, जिनकी लाइव फीड मोबाइल ऐप के जरिए पाकिस्तान भेज रहे थे। दो ऑपरेशन के दौरान 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पहले ऑपरेशन (NDR) में पंजाब और दिल्ली से 6 आरोपियों को पकड़ा गया, जबकि दूसरे ऑपरेशन (SWR) में पंजाब से 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पाकिस्तान के हैंडलर्स युवाओं को सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए जोड़ते थे और संवेदनशील सैन्य ठिकानों की फोटो-वीडियो बनवाते थे। आरोपी सोलर सीसीटीवी कैमरे लगवाकर लगातार निगरानी कराते थे। हथियारों की तस्करी कर उससे मिलने वाले पैसे से नेटवर्क चलाया जाता था। स्पेशल सेल की कार्रवाई से बड़ा आतंकी हमला टल गया। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर ग्रेनेड हमले की साजिश रच रहे थे।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाह ने बताया कि यह मॉड्यूल देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा था। समय रहते कार्रवाई कर न केवल जासूसी नेटवर्क को तोड़ा गया, बल्कि संभावित आतंकी हमले को भी विफल किया गया। दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि देश विरोधी ताकतें लगातार नए तरीकों से साजिश रच रही हैं, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां भी पूरी मुस्तैदी से ऐसे नेटवर्क को खत्म करने में जुटी हैं।आरोपियों ने कपूरथला, जालंधर, पठानकोट, पटियाला, मोगा, अंबाला, कठुआ, बीकानेर और अलवर जैसे संवेदनशील इलाकों में सोलर सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। इन कैमरों से मिल रही जानकारी सीधे पाकिस्तान भेजी जा रही थी। पाकिस्तान से निर्देश पर भारत में युवाओं की भर्ती कर फर्जी सिम और एन्क्रिप्टेड ऐप्स का इस्तेमाल करवा कर संवेदनशील जगहों की रेकी करवा रहे थे।

संपादकीय

संसद में नारियों का सम्मान

केंद्र सरकार द्वारा पेश नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीति अधिक हिस्सेदारी दिलाने का प्रयास है। आधी आबादी के बावजूद संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व काफी कम है। आजादी के 75 साल इंतजार के बाद यह कानून लोकतंत्र को संतुलित बनाने में मदद करेगा। यह कानून महत्वपूर्ण नीतियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएगा और राजनीति में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। पिछली जनगणना के मुताबिक देश की कुल जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48.5% दर्ज की गई थी। हालांकि बीते दो दशकों में आबादी में महिलाओं की संख्या बढ़ी है। इस दौरान जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से आने वाला महिला आरक्षण विधेयक इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है। आजादी के बाद से आंकड़े बताते हैं कि राजनीति में महिलाएं महत्वपूर्ण तो रहीं, पर उन्हें केवल वोट बैंक समझा गया। राजनीति में उचित प्रतिधिनित्व उन्हें आज भी नहीं मिल पाया है। वर्तमान में सभी क्षेत्रों में समान अधिकार की बात की जाती है। वर्तमान लोकसभा में केवल 14% महिला सांसद हैं, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में तो स्थिति और भी खराब है। विधानसभाओं में महज 10% महिला विधायक हैं। भारत ने अपनी आजादी के साथ ही महिलाओं को वोटिंग का अधिकार देकर दुनिया के सामने नजीर पेश की थी। 1996 में एचडी देवेगौड़ा के प्रधानमंत्री काल में पहली बार महिला आरक्षण बिल लाया गया। तब से इस बिल को पास कराने में चार असफल प्रयास हो चुके हैं। वर्तमान मोदी सरकार ने बिल पास करने के लिए 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया है। इसके पास होने की उम्मीद तब होगी जब बिल को हर दल का साथ मिले। इसमें किसी दल पर दबाव नहीं होना चाहिए। जब लोस,विस में महिलाओं की संख्या ज्यादा होगी, तो आधी आबादी से जुड़े मुद्दों को उठाने में बेहतर मंच मिलेगा। उनकी समस्याओं पर बेहतर और संवेदनशील चर्चा होगी, जिससे नया कानून बनाने में मदद मिलेगी। अभी तक राजनीति ही ऐसा क्षेत्र बचा था जहां आबादी के लिहाज से महिलाओं का प्रतिनिधित्व बेहद कम था। बर्तमान में महिला आरक्षण बिल इस कमी को दूर करने में पूरी मदद करेगा। आने वाले दिनों में ऐसी संभावना दिखाई पड़ती है कि इस बदलाव का असर पूरे समाज में दिखाई पड़ने लगेगा। वर्तमान कानून में लोकसभा की सीटें बढ़कर 816 हो जाएंगी। इसमें महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित रहेंगी। इन सीटों पर सिर्फ महिलाओं को चुनाव लड़ने का अवसर मिलेगा।

न्यायमूर्ति नागरत्ना का यह कथन है कि "भेदभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता" वास्तव में इस पूरे विमर्श का यही केंद्रीय बिंदु है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 17 समानता, भेदभाव-निषेध और अस्पृश्यता उन्मूलन की बात करते हैं, जबकि अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इस प्रकार, सबरीमाला प्रकरण इन संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन का प्रश्न बन जाता है। इसी तरह से अन्य कुछ प्रश्न उठाने का कार्य यहां न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना दिखाई देती हैं, तब केंद्र सरकार की ओर से तुषार मेहता ने यह तर्क दिया कि सबरीमाला की परंपरा को "अस्पृश्यता" कहना ऐतिहासिक रूप से उचित नहीं है, क्योंकि अस्पृश्यता मूलतः जाति-आधारित सामाजिक कुरीति रही है। उन्होंने इसे भगवान अयप्पा की नैष्ठिक ब्रह्मचर्य पर आधारित धार्मिक परंपरा बताया, जिसका सम्मान किया जाना चाहिए। तब इस पूरे विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जिस रूप में सामने आया, वह है नारी का समग्रता से सम्मान। अब प्रश्न यह है कि क्या भारतीय शास्त्रों में, ज्ञान परंपरा में, हिन्दू व्यवस्था में, सनातन धर्म में स्त्री का स्थान नीचा, ओछा या कमजोर है?

सबरीमाला मंदिर स्त्री-शक्ति का भारतीय विमर्श

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय समाज में धर्म, परंपरा और संवैधानिक मूल्यों का संबंध अत्यंत गहन और बहुआयामी है। सबरीमाला मामला इसी जटिल संबंध का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जहाँ एक ओर धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रश्न है, तो दूसरी ओर समानता, गरिमा और अधिकारों की संवैधानिक व्याख्या सामने आ खड़ी हुई। यह विवाद भले ही महिलाओं के मंदिर प्रवेश को लेकर शुरू हुआ है किंतु यह अपने आप में कई व्यापक अर्थ रखता है, जिसमें भारतीय स्त्री-विमर्श, सांस्कृतिक चेतना और न्यायिक दृष्टिकोण के बीच संवाद सभी कुछ समाहित है।

इस संबंध में उच्चतम न्यायालय द्वारा जो निर्णय सुनाया गया, उस निर्णय के बीच सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए हैं, उनका कहना है कि क्या मासिक धर्म के आधार पर महिलाओं के प्रवेश पर रोक "अस्पृश्यता" की श्रेणी में आती है? न्यायमूर्ति नागरत्ना कहती है, "इस मामले में 'अनुच्छेद 17' यानी छुआछूत के खिलाफ अधिकार पर दलील किस तरह पेश की जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने तीन दिन तक तो महिला को 'अछूत' माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई 'अछूतपन' न रह जाए।"

न्यायमूर्ति नागरत्ना का यह कथन है कि "भेदभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता" वास्तव में इस पूरे विमर्श का यही केंद्रीय बिंदु है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 17 समानता, भेदभाव-निषेध और अस्पृश्यता उन्मूलन की बात करते हैं, जबकि अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इस प्रकार, सबरीमाला प्रकरण इन संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन का प्रश्न बन जाता है। इसी तरह से अन्य कुछ प्रश्न उठाने का कार्य यहां न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना दिखाई देती हैं, तब केंद्र सरकार की ओर से तुषार मेहता ने यह तर्क दिया कि सबरीमाला की परंपरा को "अस्पृश्यता" कहना ऐतिहासिक रूप से उचित नहीं है, क्योंकि अस्पृश्यता मूलतः जाति-आधारित सामाजिक कुरीति रही है। उन्होंने इसे भगवान अयप्पा की नैष्ठिक ब्रह्मचर्य पर आधारित धार्मिक परंपरा बताया, जिसका सम्मान किया जाना चाहिए। तब इस पूरे विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जिस रूप में सामने आया, वह है नारी का समग्रता से सम्मान। अब प्रश्न यह है कि क्या भारतीय शास्त्रों में, ज्ञान परंपरा में, हिन्दू व्यवस्था में, सनातन धर्म में स्त्री का स्थान नीचा, ओछा या कमजोर है? इसका उत्तर सहज है कि बिल्कुल भी नहीं, बल्कि विश्व भर की प्राचीन सभ्यताओं में जो अद्यतन है, उनमें तुलनात्मक रूप से हिन्दू सनातन धर्म में स्त्री को अत्यधिक मान, बराबरी का हक दिया गया है । इस संबंध में देवी आराधना को देखा जा सकता है, जोकि भारत में सर्वत्र एक रूप में सर्वव्यापी है। यदि हम दुर्गा सप्तशती का अध्ययन करें, तो स्पष्ट होता है कि स्त्री ब्रह्मांड की मूल शक्ति के रूप में स्वीकार किया गया है। संपूर्ण दुर्गासप्तशती ही स्त्री महात्म, नारी समम्मान, श्रद्धा और उसके प्रति समर्पण से पूर्ण है।

"या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥" (दुर्गा सप्तशती, अध्याय 5), इस प्रकार के मंत्रों की पूरी श्रंखला है। विद्याः समस्तास्तव देवि भेदाः,स्त्रियः समस्ताः सकला जगत्सु।त्वयैकया पूरितमम्बयैतत्, का ते स्तुतिः स्तव्यपरा परोक्तिः॥ के माध्यम से कहा गया है कि ₹हे देवी! संसार की समस्त विद्याएं तुम्हारे ही भिन्न-भिन्न स्वरूप हैं। इसी प्रकार, विश्व की समस्त स्त्रियां (सकला जगत्सु - संसार में) तुम्हारा ही रूप हैं। हे अंब (माता)! इस पूरे जगत को तुमने ही आच्छादित (पूरित) किया है। तुम्हारी स्तुति भला कौन कर सकता है? तुम तो स्तुति के योग्य शब्दों से भी परे हो।₹ कुल मिलाकर समस्त जगत में जो कुछ भी है, वह स्त्री-शक्ति से ही व्याप्त है। यही भारतीय दर्शन का मूल तत्व है जो हमें बताता है कि स्त्री ही सृष्टि की आधारभूत ऊर्जा है।

इसी भाव को देवी भागवत पुराण अभिव्यक्त करता है, "त्वमेव सृष्टिः त्वमेव पालनं, त्वमेव संहारकारिणी।" अर्थात सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार—तीनों स्त्री-शक्ति के अधीन हैं। (स्कंध 1, अध्याय 8) । वैदिक साहित्य में भी स्त्री के इसी उच्च स्थान का उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद (मंडल 10, सूक्त 125) में वाक सूक्त के माध्यम से स्त्री स्वयं को ब्रह्मांड की अधिष्ठात्री शक्ति के रूप में प्रस्तुत करती है-

"अहं राष्ट्री संगमनी वसूनाम्३" ऋग्वेद (10.125.3) के 'वाक सूक्त' का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मंत्र है, जो ज्ञानशक्ति (देवी वाक) की सर्वोच्चता बताता है। इसका अर्थ हुआ, ₹मैं (वाक/शक्ति) राष्ट्र की स्वामिनी हूँ, समस्त धनों (वसूनाम्) को इकट्ठा करने वाली (संगमनी) हूँ और श्रेष्ठ ज्ञान रखने वाली (चिकितुषी) हूँ। इस प्रकार से यह सर्वोच्च चेतना या वाणी के रूप में स्वयं को राष्ट्र के ऐश्वर्य और ज्ञान का मूल बताती है। मनुस्मृति में तो यहां तक कहा गया है कि "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।" (अध्याय 3, श्लोक 56)। जहां स्त्री की पूजा होती है, वहीं देवता निवास करते हैं। वस्तुतः कहना होगा कि यह श्लोक भारतीय समाज की मूल संरचना को दर्शाता है। आधुनिक विद्वान पैट्रिक ओलिवेल (Manu's Code of Law, पृ. 78) भी इसे स्त्री के सम्मान का प्रमाण मानते हैं। हां, यह जरूर है कि अक्सर रामचरितमानस की एक चौपाई को लेकर भ्रम फैलाया जाता है। परंतु गोस्वामी तुलसीदास की भाषा और संदर्भ को समझे बिना उसका अर्थ निकालना उचित नहीं है। उक्त चौपाई में "ताड़ना" का अर्थ अवधी में "देखभाल" या "संरक्षण" होता है। आचार्य रामचंद्र शुक्ल (हिंदी साहित्य का इतिहास, पृ. 214) इस तथ्य को स्पष्ट करते हैं। अब प्रश्न यह है कि यदि भारतीय परंपरा स्त्री को इतना उच्च स्थान देती है, तो सबरीमाला जैसी परंपराएँ क्यों? इसका उत्तर सामाजिक और जैविक यथार्थ में निहित है। मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसमें महिलाओं को शारीरिक कष्ट, थकान और असुविधा होती है। इस संदर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का 2022 का संदर्भ देख सकते हैं, जिसके अनुसार लगभग 70 फीसद महिलाएँ इस दौरान किसी न किसी प्रकार की पीड़ा अनुभव करती हैं। प्राचीन काल में स्वच्छता के साधनों के अभाव के कारण महिलाओं को विश्राम देने के उद्देश्य से कुछ परंपराएँ विकसित हुईं। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि "विश्राम हेतु अलग रखना" और "अस्पृश्य मानना" दो अलग अवधारणाएँ हैं। भारतीय समाज में मूल भावना संरक्षण और स्वास्थ्य की थी, न कि भेदभाव की।

यहां यह भी समझना होगा कि देवता के दर्शन या उसके पास जाने के लिए तन और मन दोनों की पवित्रता की अनिवार्यता भारतीय परंपरा में अनवार्य बताई गई है, एक बार को हम स्त्री के संबंध में इस विमर्श को छोड़ भी दें तो क्या पुरुषों को यह अनुमति मिल सकती है कि वह मंदिर में जाए, यदि उसके जननांग से रुक-रुक कर मूत्र बूंद-बूद में शरीर के बारह आ रहा है, तो क्या वह स्वयं ही या उसके परिवार जन या मंदिर में यह जानकर की उसका उसके मूल विसर्जन पर अंकुश नहीं, क्या उसे मंदिर में प्रवेश मिलेगा? वैज्ञानिक भाषा में तो वह पानी ही तो है! इसी तरह से मल त्याग या शरीर से लगातार थूक के निकलने एवं नाक का बहना है, होने को तो यह एक क्रिया ही है, क्या तब मंदिर में प्रवेश मिलेगा? सभी हिन्दू घरों में यह सामान्य परंपरा है जिसके लिए कोई किसी से कुछ नहीं कह रहा, स्नान के बाद पूजा करने से पूर्व घर के सदस्य चाहे जहां, इधर-उधर नहीं बैठते हैं। कोई बिना नहाए उनसे गले लगना भी चाहे तो उसे पूजा सम्पन्न होने तक इंतजार करना होता है। फिर यह सबरीमाला प्रकरण तो करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है।

भारतीयता में समाहित है वैश्विक कल्याण का मार्ग

- प्रो. एस. के. सिंह

वर्तमान में अविश्वास की परतों से घिरी हुई विश्व व्यवस्था अनेक प्रकार के संघर्षों एवं अस्थिरताओं से जूझ रही है। ईरान बनाम अमेरिका-इजराइल युद्ध, अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में की गई असंगत कार्यवाही, लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध, पर्यावरण संकट, मानसिक तनाव एवं बढ़ती असहिष्णुता इस बात का प्रमाण है कि आज विश्व गहरे संकट से गुजर रहा है। वस्तुतः पिछले कुछ समय की सैन्य गतिविधियों को देखकर तो ऐसा लग रहा है कि विश्व-व्यवस्था पूरी तरह से लड़खड़ा गई है एवं धीरे-धीरे दुनिया 'जंगलराज' की ओर बढ़ रही है। टैरिफ को लेकर ट्रंप के अपरिपक्व एवं गैर-जिम्मेदार रवैये तथा पल-पल बदलते उनके बचकाने बयानों ने भूमंडलीकरण के मूल उद्देश्यों पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। जिस भूमंडलीकरण को परस्पर निर्भरता, वैश्विक सहयोग एवं साझा प्रगति का आधार माना गया था, आज वह कमजोर पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इन विषम परिस्थितियों में भारतीय दर्शन, भारत की संस्कृति अर्थात 'भारतीयता' एक ऐसा विकल्प है जो विश्व में स्थायी शांति, संतुलन, समन्वय एवं सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

हजारों सालों से पूरी पृथ्वी को एक मानने एवं मानवता के समग्र कल्याण पर आधारित 'वसुधैव कुटुम्बकम', 'सर्वे भवन्तु सुखिनः', 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' जैसे भारतीय सिद्धांतों में विकास और प्रगति का अर्थ किसी एक व्यक्ति या किसी एक राष्ट्र का हित नहीं बल्कि समग्र रूप में पूरी मानवता का कल्याण करना है, अर्थात 'स्व' से 'सर्व' की यात्रा ही भारतीयता है। भारतीयता के इस मूल भाव को भारतीय जीवन दृष्टि के विभिन्न पहलुओं में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

भारतीयता का एक महत्वपूर्ण आयाम प्रकृति के साथ निकटता, सामंजस्य एवं संतुलन रखना है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में वृक्षों, नदियों, पर्वतों एवं धरती को पूजनीय माना गया है, जिसमें यह मान्यता है कि प्रकृति के साथ समन्वय रखकर ही पृथ्वी को बचाकर जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है। सत्य, परोपकार, त्याग, दया, करुणा, अहिंसा, सहिष्णुता, नैतिकता, भक्ति, समर्पण, संयम और राष्ट्रप्रेम जैसे भारतीय जीवन मूल्य, मूल्य-आधारित भारतीयता की आत्मा हैं। कई तरह की विविधताओं के बावजूद 'अनेकता में एकता' भी भारतीयता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। 'साईं इतना दीजिए जामें कुटुम्ब समाय' अर्थात हमें उतना ही संचय करना चाहिए, जितना आवश्यक है।

भारतीय मूल्यों की यह गहन अभिव्यक्ति भारतीयता के उस पहलू को उजागर करती है जहां व्यक्तिगत और सामूहिक हित साथ-साथ चलते हैं। इसके विपरीत पाश्चात्य चिंतन के मूल में व्यक्ति, भौतिकता, बाहरी दुनिया एवं बाहरी उपलब्धियां हैं। इसलिए पश्चिम का मूल स्वभाव स्वार्थ है न कि सद्भाव। जिसके कारण कभी-कभी किसी एक व्यक्ति की अनैतिक एवं अनुचित महत्वाकांक्षाओं का खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ता है। ईरान, अमेरिका-इजराइल युद्ध के चलते पूरी दुनिया में इंटरनेट बंद होने का खतरा मंडरा रहा है।

अनगिनत लाभ के बावजूद अनियंत्रित लालच तथा विज्ञान एवं तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता हमारे विनाश का कारण भी बन सकती है। भारत का स्पष्ट मानना है कि विज्ञान का उपयोग मानवता एवं मानव कल्याण के लिए होना चाहिए न कि व्यक्तिगत लाभ तथा भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ एवं प्रभुत्व स्थापित करने के लिए। यही कारण है कि 16 से 20 फरवरी, 2026 को दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की थीम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' रखी गई थी। इसके पूर्व नई दिल्ली में ही आयोजित जी-20 के शिखर सम्मेलन की मुख्य थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम' थी, जिसमें वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर का नारा दिया गया था।

स्पष्ट है कि भारत को जब भी दुनिया का नेतृत्व करने का अवसर मिला है, भारत ने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। चूंकि विस्तारवादी सोच की शुरुआत हमेशा लालच से होती है, इसलिए भारतीय चिंतन में इस सोच को कभी भी प्रश्रय नहीं दिया गया। आध्यात्मिकता भारतीय चिंतन की मूल विशेषता है, इसलिए भारतीयता के हर पहलू में हमें इसकी झलक दिखाई देती है। सदियों से भारत में शिक्षा को विद्या, छात्र को विद्यार्थी एवं शिक्षक को गुरु कहा जाता था। शिक्षा हमें बाहरी ज्ञान एवं जीवनयापन सिखाती है, जबकि विद्या एक आंतरिक गुण है जो कि हमारे विवेक, संस्कारों एवं आचरण से जुड़ी होती है तथा हमें सही एवं गलत में भेद करना सिखाती है। शिक्षा सिर्फ सफलता तक सीमित रहती है जबकि विद्या हमें सार्थकता तक ले जाती है।

श्री विष्णु पुराण में उल्लेख है कि 'तत्कर्म यन्न बन्धाय, सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात कर्म वही है जो बंधन में न बांधे और विद्या वही है जो मुक्त करे। यही कारण है कि भारतीयता में आत्म-बोध अर्थात आत्म-साक्षात्कार पर विशेष बल दिया गया है। शिक्षा वह है जिसे प्राप्त करने के बाद विनम्रता आए एवं व्यक्ति, व्यक्तिगत लाभ की जगह सामूहिक हित को प्राथमिकता दे, इसलिए भारतीय ज्ञान परंपरा में कहा गया है कि 'विद्या ददाति विनयं' अर्थात सच्ची विद्या से व्यक्ति में विनम्रता आती है। भारतीय ज्ञान परंपरा त्याग, परोपकार एवं आत्मबोध पर आधारित होने के कारण संयम, उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यबोध की भावना उत्पन्न करती है, जबकि पाश्चात्य ज्ञान परंपरा तर्क, विज्ञान एवं भौतिकता पर आधारित होने के कारण प्रतिस्पर्धा, अहंकार, श्रेष्ठता-बोध एवं आत्मकेन्द्रित बनाती है। यहां स्पष्ट है कि दुनिया में यदि स्थायी शांति एवं सद्भाव स्थापित करना है तो हमें भारतीयता के मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना होगा। यहां पर यह उल्लेख करना आवश्यक है कि अतीत की ओर लौटना ही भारतीयता नहीं है, बल्कि 'नित्य नूतन, चिर पुरातन' की सोच के साथ भविष्य के लिए एक संतुलित एवं मानवीय मार्ग का निर्माण करना भारतीयता का एक प्रमुख गुण है। यह केवल अतीत की धरोहर नहीं बल्कि भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत है।

पर्यावरणीय असंतुलन, नैतिक पतन एवं सामाजिक विघटन के इस दौर में भारतीयता के मूल तत्वों से प्रेरित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'पंच परिवर्तन' न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक हैं, क्योंकि भारतीयता का मूल आधार भौगोलिक सीमाएं नहीं बल्कि समस्त जड़-चेतन एवं मानवता है। संघ के पंच परिवर्तन का किसी भी राजनीतिक दल द्वारा विरोध न किया जाना इसकी व्यापक स्वीकार्यता एवं सहमति का सबसे बड़ा प्रमाण है। भारतीयता एवं संवैधानिक आदर्शों से प्रेरित सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी चेतना एवं नागरिक कर्तव्य ऐसे आधारभूत मूल्य हैं जो न केवल भारत के उत्थान तक सीमित हैं बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक और उपयोगी हैं। स्वार्थ एवं संघर्ष में फंसी दुनिया के लिए भारतीयता ही एक मात्र विकल्प है।

मौत के बाद आत्मा के साथ कुछ ऐसा होता है!

इंसान अगर पृथ्वी पर अच्छे कर्म किए हैं तो बार-बार के जीवन से मुक्ति मिलती है और उसको मोक्ष की प्राप्ति होती है। पुराणों में कहा गया है कि मरने के बाद इंसान यदि स्वर्ग जाता है तो उसकी आत्मा को सभी सुख दिए जाते हैं। अगर कोई इंसान पृथ्वी पर रहते हुए बुरे कर्म किए हों तो उसे नर्क भेजा जाता है। और वहां पर उसके साथ उसके कर्म के हिसाब से यातनाएं मिल सकती हैं। इसलिए जीवन में इनसे दूर रहने का प्रयास करें।

धर्मकर्म

कुंभीपाकः ऐसे व्यक्ति जो पशु-पक्षी को मारकर खाते हैं। उन्हें यमदूत तेल में उबालते हैं।

सारमेयादनः धन लूटने वाले, भ्रष्टाचारियों को नर्क में विचित्रप्राणी काट-काट कर खाते हैं।

रौरवः जो व्यक्ति किसी के प्रति हिंसा करते हैं, वे रुरु नामक भयंकर जीव बनकर रौरव नर्क में पीड़ा पाते हैं।

अयःपानः मदिरापान करने वाले लोगों को इस नर्क में भेजा जाता है, जहां मुंह में गर्म लोहे की सलाखों से छेद किया जाता है।

वैतरणीः यदि कोई धर्म का पालन नहीं करता है। तो उसकी आत्मा को रक्त, हड्डी, नख, चर्बी, मांस से भरी नदी में फेंक दिया जाता है।

तामिस्त्रः जो व्यक्ति दूसरों के धन, स्त्री और पुत्र का अपहरण करता है, उस दुरात्मा को तामिस्त्र नाम की यातना सहनी होती है। इसमें यमदूत उसेअनेक कष्ट देते हैं।

शाल्मलीः जो व्यक्ति व्यभिचार करता है, उसे शाल्मली नामक नरक में गिराकर उसकी आत्मा को लोहे के कांटों के बीच पीसा जाता है। इस तरह उसे अपने कर्मों का फल भोगना होता है।

तप्ससूर्मिः जो व्यक्ति किसी दूसरे की स्त्री के साथ समागम करता है, उसे तप्ससूर्मि यातना दी जाती है इसमें उसकी आत्मा को कोड़े से पीटकरगर्म लोहे के स्तंभों से आलिंगन करवाया जाता है।

सूचीमुखः सदा धन-संग्रह करते रहने और दूसरों की उन्नति से ईर्ष्या रखने वालों को इस नर्क में यमराज द्वारा भेजा जाता है। जहां ऐसे व्यक्तियों की आत्मा को सुई से वस्त्रों की तरह सिल देते हैं।

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1919 - अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना।
1921 - रेडियो पर खेलों की पहली लाइव कमेंट्री का प्रसारण किया गया।
1964 - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी दो हिस्सों में विभाजित।
1970 - अमेरिका का अपोलो 13 अंतरिक्ष यान चंद्र अभियान पर रवाना।
1976 - स्टीव वाजनेक का बनाया पहला एपल-1 कंप्यूटर जारी।
1983 - बेन किंग्सले की फिल्म गांधी को आस्कर अवार्ड।
1999 - अग्नि 2 प्रक्षेपास्त्र ने परीक्षण उड़ान भरी।
1999 - फिलीपींस की सरकार द्वारा 'एक स्कूल गोद लो' की अनोखी घोषणा।
2002 - चीन में मैच (फ़ुटबाल) फ़िक्सिंग के आरोप में रेफ़री गिरफ़्तार।
2003 - पाकिस्तान ने 12वीं बार शारजाह कप जीता।
2004 - इस्लामाबाद में भारत के प्रख्यात गायक कलाकार सोनू निगम के कार्यक्रम स्थल के पास एक कार में बम विस्फोट।
2008 - सरकारी कर्मचारियों द्वारा विरोध को देखते हुए केन्द्र सरकार ने छठे वेतन आयोग की समीक्षा के लिए सचिवों की एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने की घोषणा की।
2008 - स्वीडन में वैज्ञानिकों ने आठ हज़ार वर्ष पुराने वृक्ष की खोज की।
2011 - भारतीय मूल की अमरीकी लेखिका झुंपा लाहिरी को उनकी पहली रचना 'इंटरप्रेटर ऑफ मैलेडीज़' के लिए पुलित्ज़र सम्मान।

जन्म

1827 - ज्योतिबा फुले- भारत के महान विचारक, समाज सेवी तथा क्रान्तिकारी।
1869 - कस्तूरबा गांधी - महात्मा गाँधी की धर्मपत्नी।
1887 - जामिनी रॉय - भारत के प्रसिद्ध चित्रकार।
1904 - कुन्दन लाल सहगल भारतीय गायक और अभिनेता
1916 - आर. डी. भण्डारे - भारतीय राजनीतिज्ञ, न्यायविद और अम्बेडकरवादी कार्यकर्ता थे।

निधन

1977 - फणीश्वरनाथ रेणु, साहित्यकार
2001 - कमल रणदिवे - प्रसिद्ध भारतीय महिला चिकित्सक थीं।
2009 - हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार, नाटककार और कहानीकार विष्णु प्रभाकर का निधन।

प्रसिद्ध मंदिरों में वीआईपी दर्शन कहां तक जायज

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। "भगवान के दरबार में सब बराबर हैं"—यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं। देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है। आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है।

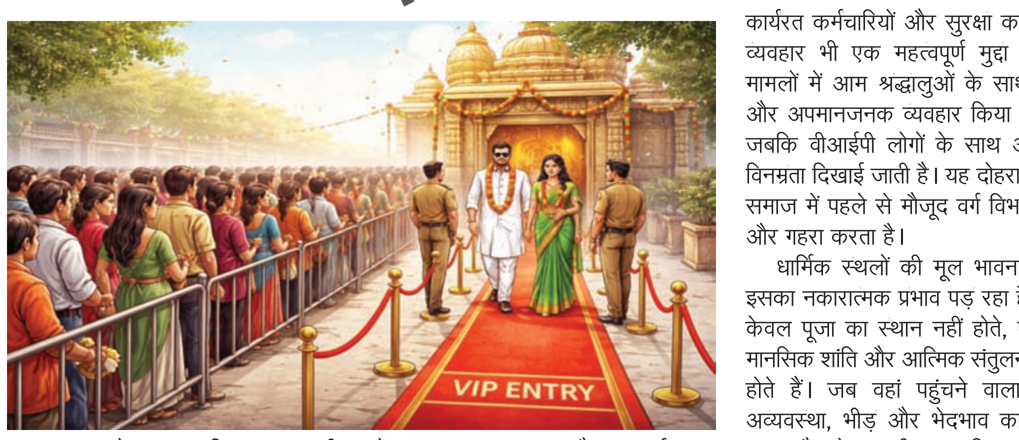

यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है—विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक "प्रीमियम सेवा" बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक—मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है। वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है। इसके अलावा, मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है।

धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है। इस समस्या का समाधान आसान नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी सेवाओं की संख्या और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं का उद्देश्य केवल अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना। दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम, और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है। तीसरा, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु, चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति, सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

चौथा, सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। अंततः, यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है। आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ भगवान के दर्शन भी पैसे और पहुँच के आधार पर तय होंगे? या हम उस मूल भावना को बचाए रखेंगे, जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो? मंदिरों की पवित्रता केवल उनकी भव्यता या व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले अनुभव से तय होती है। यदि वह अनुभव भेदभाव और असमानता से भरा होगा, तो आस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहाँ हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है—जहाँ सब बराबर हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

बंगाल में सरकार बनने पर प्रत्येक घुसपैठिए को राज्य से बाहर किया जाएगा : अमित शाह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी दो चरणों में विधानसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने पार्टी का 'संकल्प पत्र' जारी किया। इस घोषणा पत्र में घुसपैठ पर सख्ती, पारदर्शी भर्ती व्यवस्था, आर्थिक विकास और महिला सशक्तिकरण को प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा गया है।

घोषणा पत्र जारी करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यदि इस बार राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो घुसपैठ के मुद्दे पर शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 'पहचानो, हटाओ और निर्वासित करो' (डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट) की नीति के तहत प्रत्येक घुसपैठिए को राज्य से बाहर किया जाएगा, जिससे न केवल राज्य बल्कि पूरे देश की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। साथ ही अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा और मवेशी तस्करी पर भी सख्ती से रोक लगाने की बात कही गई। राज्य में भर्ती प्रक्रिया को लेकर उन्होंने कहा कि एक पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त तंत्र विकसित किया जाएगा, जिसमें सभी

रिक्त सरकारी पदों को केवल योग्यता के आधार पर भरा जाएगा। नकद के बदले नौकरी जैसी अनियमितताओं को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा।

उन्होंने स्थायी नौकरियों को प्राथमिकता देने की बात भी कही। युवाओं के लिए घोषणा पत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15,000 रुपये की सहायता देने का वादा किया गया है। इसके अलावा, भ्रष्टाचार के कारण नौकरी से वंचित अभ्यर्थियों को आयु सीमा में पांच वर्ष तक की छूट देने की भी घोषणा की गई है। आर्थिक विकास के संदर्भ में गृह मंत्री ने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जाएंगे, जिससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे। भूमि नीति में बदलाव का संकेत देते हुए उन्होंने उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की बात कही। उन्होंने बताया कि राज्य में चार नए सैटेलाइट टाउनशिप विकसित किए जाएंगे, जिनके स्थान बाद में तय किए जाएंगे।

पूर्व मेदिनीपुर जिले में हल्दिया बंदरगाह के विकास के लिए विशेष योजना तैयार की गई है। साथ ही ताजपुर और कुलपी में गहरे समुद्री बंदरगाह विकसित करने की योजना है। चाय और जूट उद्योग को भी बढ़ावा दिया जाएगा तथा पश्चिम बंगाल को ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में एक प्रमुख निर्यात केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। महिला सशक्तिकरण को लेकर घोषणा पत्र में महिलाओं के लिए 100 प्रतिशत मुफ्त परिवहन की सुविधा देने का वादा किया गया है। इसके अलावा, महिलाओं के खिलाफ अपराधों की जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की विशेष समिति से कराने की बात कही गई है।

घोषणा पत्र में यह भी वादा किया गया है कि राज्य सरकार की सभी नौकरियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाएगा। प्रत्येक मंडल में महिला थाने और हर पुलिस जिले में महिला डेस्क स्थापित किए जाएंगे। साथ ही महिलाओं के लिए दिन और रात दोनों समय सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया है।

ज्ञान को धन में परिवर्तित करने के लिए तकनीक के साथ कुशल कार्यबल भी जरूरी: गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि ज्ञान को धन में परिवर्तित के लिए नवाचार, विज्ञान तथा तकनीक के साथ-साथ कुशल कार्यबल और निरंतर अनुसंधान पर जोर देना आवश्यक है।

गडकरी ने निर्माण उद्योग विकास परिषद की ओर से यहां आयोजित 17वें सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार और प्रदर्शनी 'विकसित भारत 2047' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए निर्माण क्षेत्र में गुणवत्ता से समझौता न करना और शॉर्टकट से बचना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अवसंरचना को बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है कि तत्काल निर्णय लिए जाएं, परियोजना योजना अच्छी हो और काम की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दिया जाए। इसके अलावा अगर हम नई तकनीक अपनाएं और काम करने के तरीके को सुधारें तो परियोजनाओं की लागत काफी कम हो सकती है। इसके लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए भूमि अधिग्रहण और जरूरी मंजूरियों को पहले ही निपटाया जाए क्योंकि पहले की देरी और प्रशासनिक बाधाओं ने प्रोजेक्ट की समयसीमा और ठेकेदारों के बजट को काफी नुकसान पहुंचाया है।

उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट में केवल कम लागत ही नहीं बल्कि गुणवत्ता और प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें जैव ईंधन और अन्य वैकल्पिक ईंधनों को अपनाना चाहिए। इससे न केवल पेट्रोल-डीजल पर हमारी निर्भरता कम होगी बल्कि खर्च भी घटेगा। साथ ही सड़क बनाने में प्लास्टिक कचरे और पुराने टायरों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारतीय अवसंरचना कंपनियों ने दुबई, कतर और कई अफ्रीकी देशों में प्रमुख परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करके वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है।

उपराष्ट्रपति ने सिंधी भाषा में संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर सिंधी भाषा में भारत के संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया। यह दो लिपियों- देवनागरी और फारसी में प्रकाशित किया गया है।

राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि विभाजन के बाद के कठिन समय में सिंधी भाषा ने दृढ़ता और एकता के प्रतीक के रूप में कार्य किया। सिंधी में संविधान का प्रकाशन भाषाई समावेशिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से लोग संविधान को अपनी मातृभाषा में समझ सकेंगे, जिससे लोकतांत्रिक भागीदारी और विश्वास मजबूत होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि यह पहल हमारी भाषाई विविधता, संवैधानिक जागरूकता और समावेशी भारत के संकल्प को और सशक्त बनाती है जो संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक मील का पत्थर है।

इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और लोकसभा सांसद शंकर लालवानी सहित अन्य गणमान्य जन मौजूद रहे।

देश में एलपीजी वितरकों और पेट्रोल पंपों के पास ईंधन के पर्याप्त स्टॉक : सुजाता शर्मा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने शुक्रवार को कहा कि देश में एलपीजी वितरकों और पेट्रोल पंपों के पास ईंधन के पर्याप्त स्टॉक हैं। सरकार ने बताया कि किसी भी तरह की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं है।

घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी की सप्लाई सामान्य बनी हुई है, जिसमें 98 फीसदी बुकिंग ऑनलाइन हो रही है, जबकि कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई 70 फीसदी तक बहाल हो गई है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। सुजाता शर्मा ने बताया कि 14 मार्च से अब तक लगभग 1,06,000 टन कमर्शियल एलपीजी बिक चुकी है और रोजाना 6,000 से 6,500 टन की बिक्री हो रही है। उन्होंने बताया कि सहायता उपायों में बिना किसी आईडी के 5 किलो वाले गैस सिलेंडर की

सप्लाई को दोगुना करना शामिल है। शर्मा ने कहा कि रोजाना लगभग 1 लाख सिलेंडर बिक रहे हैं, जबकि 23 मार्च से अब तक कुल 11 लाख सिलेंडर बिक चुके हैं।

उद्योगों को होने वाली लगभग 80 फीसदी सप्लाई बहाल हो गई है और उर्वरक क्षेत्र को होने वाली सप्लाई 95 फीसदी तक बहाल हो चुकी है। विद्युत मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव पीयूष सिंह ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के दौरान मंत्रालय ने आयातित कोयले पर आधारित प्लांट्स के पूरी तरह से चालू रहने को सुनिश्चित करने के लिए धारा 11 के तहत निर्देश जारी किए, जिससे लगभग 4000 मेगावाट अतिरिक्त बिजली मिली है। इसमें टाटा पावर सीजीपीएल मुंद्रा भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि तय रखरखाव को तीन महीने के लिए टाल दिया गया है, जिससे लगभग 10000 मेगावाट अतिरिक्त बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। सिंह ने बताया कि मजबूत तालमेल की वजह से कोयले का स्टॉक लगभग 55 मिलियन टन पर बना हुआ है, जो 19 दिनों के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों में थर्मल, सोलर, पवन और हाइड्रो स्त्रोतों से लगभग 22000 मेगावाट क्षमता जोड़ने की योजना है। इसमें गैस-आधारित क्षमता, जो कि 1.4 फीसदी तक सीमित है, जो लगातार बेहतर काम कर रही है।

प्लांट्स को एलएनजी आयात करने की अनुमति दे दी गई है, जिससे कुल बिजली आपूर्ति स्थिर बनी रहे। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने हितधारकों के साथ नियमित रूप से बैठकें की हैं। हमारे मंत्रालय ने भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रायल, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) और डिजिएफटी इंडिया के साथ मिलकर कल एक बैठक की, ताकि हितधारकों को पेश आ रही समस्याओं की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की जा सके।

उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान निर्यातकों और उनके संघों से अनुरोध किया गया कि वे अपनी समस्याओं के साथ-साथ उस बंदरगाह का नाम भी साझा करें, जहां उन्हें ये समस्याएं पेश आ रही हैं। इसके साथ ही शिपिंग लाइनों को पहले ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं कि वे बंदरगाहों द्वारा निर्यातकों को दिए जाने वाले लाभ और राहतें, प्रतिपूर्ति के आधार पर संसाधित करने के बजाय, सीधे तौर पर प्रदान करें।

रानीगंज में ईडी की टीम चावल व्यवसायी के घर दी दबिश

आसनसोल। रानीगंज शहर में शुक्रवार सुबह ईडी की टीम ने एक बड़े चावल कारोबारी अजय कयाल के घर पर अचानक छापेमारी शुरू कर दी। यह कार्रवाई इतनी गोपनीय तरीके से की गई कि स्थानीय लोगों को इसकी भनक तक नहीं लग पाई और देखते ही देखते पूरा इलाका केंद्रीय बलों की मौजूदगी से घिर गया। साथ ही उनके अन्य ठिकानों पर भी एक साथ दबिश दी गई, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि कार्रवाई पहले से योजनाबद्ध थी और कई पहलुओं को ध्यान में रखकर अंजाम दी जा रही है।

मप्र के उज्जैन में खुले बोरवेल के गड्ढे में गिरा दो साल का बच्चा, बचाव अभियान जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिला मुख्यालय से करीब 75 किमी दूर बड़नगर इलाके के पास ग्राम झालरिया में गुरुवार रात बोरवेल के खुले गड्ढे.में गिरे दो साल का मासूम बच्चे को बचाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य जारी है। रेस्क्यू टीम को उसकी लोकेशन 75 फीट की गहराई पर मिली है।

पांच पोकलेन मशीनों की मदद से बोरवेल के समानांतर सुरंग बनाई जा रही है। खबर लिखे जाने तक करीब 40 फीट खुदाई हो चुकी है। जानकारी

के अनुसार, भेड़े चराने के लिए आया राजस्थान के पाली जिले के एक परिवार का दो साल का बच्चा गुरुवार रात करीब साढ़े सात बजे बोरवेल के खुले गड्ढे में गिर गया था। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। भोपाल से पहुंची एनडीआरएफ की टीम, हरदा, इंदौर और उज्जैन की एसडीआरएफ के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है।

बोरवेल में कैमरा डालकर बच्चे की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उसे ऑक्सीजन सपोर्ट भी दिया जा रहा है। मौके पर दो एंबुलेंस भी तैनात हैं। बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि बोरवेल में गिरने वाला दो वर्षीय मासूम भागीरथ पुत्र प्रवीण देवासी ग्राम गुडानला, जिला पाली (राजस्थान) का रहने वाला है।

परिजन के मुताबिक, बच्चा दीवार के पास खेल रहा था। उसने पत्थर से बोरवेल का ढक्कन हटाया और बाल्टी समझकर पैर डाल दिया, जिससे वह सीधे अंदर गिर गया। बच्चे की मां ने उसे गिरते देखा और बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह गहराई में जा चुका था।

बीज मिटाने की बात करने वाले पहले अपनी जड़ें बचा लें : मल्ली

धर्मशाला। कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता पुनीत मल्ली ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर द्वारा कांग्रेस का बीज मिटाने वाले बयान पर आपत्ति जताई है। शनिवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि भाजपा नेता अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती देख इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस कोई बीज नहीं, बल्कि एक मजबूत विचारधारा है, जिसे दशकों पहले से लोगों ने स्वीकार किया है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिन नेताओं के कार्यकाल में प्रदेश अनिश्चितता और अव्यवस्था की स्थिति में पहुंचा, वे आज कांग्रेस को खत्म करने की बात कर रहे हैं। मल्ली ने कहा कि भाजपा को आत्ममंथन करने की जरूरत है, क्योंकि जनता अब जुमलों और डर फैलाने वाली राजनीति से आगे बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मिटाने की बातें केवल राजनीतिक हताशा का प्रतीक हैं। पुनीत मल्ली ने कहा कि धर्मशाला में वीरवार को हुआ भाजपा का प्रदर्शन पूरी तरह से ड्रामेबाजी है, जिसका जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है।

मध्य प्रदेश में महिला उद्यमिता को मिला बढ़ावा, 17 फीसद इकाइयों को महिलाएं कर रहीं संचालित

एमएसएमई विकास नीति : 2025 ने महिलाओं को बनाया आत्म निर्भर

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिला सशक्तीकरण, उद्यमिता और वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को मध्य प्रदेश सरकार बेहतर तरीके से साकार कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अगुवाई में एमएसएमई विकास नीति : 2025 और स्टार्ट-अप नीति : 2025 ने महिलाओं को उद्यमी बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

अब एमएसएमई सेक्टर की 17 फीसद इकाइयों को महिलाएं संचालित कर रही हैं। मध्य प्रदेश की नीतियों में महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व और योजनाओं के कारण ही 24 लाख 34 हजार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम में से 4.11 लाख यानि 17 फीसदी इकाइयां महिलाओं के द्वारा संचालित की जा रही हैं। गत वर्ष ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लोकार्पित स्टार्ट-अप नीति में 7264 में से 3476 यानि

48 स्टार्ट-अप महिलाओं के हैं। मध्यप्रदेश की यह तस्वीर राज्य सरकार की देश में सशक्त उपस्थिति दर्ज कराता है।

इससे स्पष्ट है कि महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत का सपना मध्यप्रदेश में साकार हो रहा है। जनसंपर्क अधिकारी राजेश बैन ने शुक्रवार को बताया कि ने बताया कि मध्य प्रदेश की एमएसएमई विकास नीति : 2025 में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। अब उन महिला उद्यमियों को जो संयंत्र और मशीनरी में निवेश कर रही हैं, उन्हें 10 करोड़ तक के निवेश पर अधिकतम 48 प्रतिशत तक की पूंजी अनुदान दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं के लिए यह दर अधिकतम 50 प्रतिशत निर्धारित की गई है, जबकि सामान्य वर्ग के लिए 40 प्रतिशत है।

इस नीति से मार्च 2026 तक 24.34 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों में से करीब 4.11 लाख महिलाओं द्वारा स्थापित की गई हैं। इसके अतिरिक्त स्टार्ट-अप नीति एवं कार्यान्वयन योजना : 2025 में महिलाओं द्वारा स्थापित स्टार्ट-अप को 18% वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। प्रति ट्रॉंच 18 लाख रुपये तक की मदद मिल सकती है और कुल सहायता 72 लाख रुपये तक हो सकती है। अन्य स्टार्ट-अप के लिए यह सीमा 15% या 15 लाख रुपये है। अब तक 7264 मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप में से 3476 मतलब 48 फीसदी महिला उद्यमियों द्वारा चलाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश शासन के इन कदमों से महिला सशक्तीकरण में नई ऊंचाइयां हासिल हो रही है।

मप्र के ओंकारेश्वर में नाव पलटने से 10 श्रद्धालु डूबे, रेस्क्यू कर सभी को निकाला

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिला स्थित प्रसिद्ध तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में शुक्रवार को नर्मदा नदी में नाव पलटने से झारखंड के रहने वाले 10 श्रद्धालु डूब गए, जिन्हें रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। इनमें से दो लोगों की हालत गंभीर है। जिन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खंडवा के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने ने बताया कि झारखंड के रांची से करीब 52 लोगों का जत्था शुक्रवार को ओंकारेश्वर आया हुआ था। दोपहर करीब 12 बजे अलग-अलग नाव से सभी लोग नर्मदा नदी में नौका विहार कर रहे थे। इसी दौरान एक नाव में सवार 10 लोग ब्रह्मपुरी घाट से संगम घाट की तरफ जा रहे थे। इसी बीच नवीन घाट के पास नाव एक चट्टान से टकरा गई। टक्कर लगने से लकड़ी की नाव का पटिया टूट गया। नाव का पटिया टूटने से उसमें पानी भर गया, जिससे नाव पलट गई।

नाव में सवार सभी 10 लोग डूब गए। मौके पर तैनात होमगार्ड जवानों ने रेस्क्यू कर सभी को बाहर निकाला। इनमें आठ लोगों की हालत ठीक है, जबकि दो लोग ज्यादा पानी निगल चुके थे, उनके फेफड़ों में पानी भर गया है। जिन्हें गंभीर हालत में ओंकारेश्वर से सनावद भेजा गया है।अभी हादसे का शिकार हुए लोगों के नाम और पता नही मालूम हो सके हैं। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है। इसकी जानकारी मिलने पर बाद में विस्तृत खबर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी ने नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का किया उद्घाटन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इण्डिया की ओर से लखनऊ के अटल बिहारी बाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में आयोजित नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में भारत समेत कई देशों के विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हुए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बीमारू भारत सशक्त नहीं हो सकता, समृद्ध नहीं हो सकता और आत्मनिर्भर भी नहीं हो सकता है। स्वास्थ्य के लिए इलाज से पहले लोगों को अपनी दिनचर्या को बदलना होगा। इसके लिए चिकित्सकों को आगे आना होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संस्था ने लंबी यात्रा तय करने के बाद यह सेमिनार लखनऊ में कर रही है। यह बदलते हुए भारत में उत्तर प्रदेश का नया स्वरूप है। आज भारत नई प्रतिस्पर्धा के साथ दुनिया में खड़ा है। 2017 से पहले यह उत्तर प्रदेश खुद बीमारू राज्य के रूप में खड़ा था। आज भारत में अग्रणी भूमिका में खड़ा है। यह हम सब के लिए चिंता का विषय है। भारत जैसे देश में जहां प्राचीन काल से ही इन चीजों पर ध्यान दिया जाता रहा है। समय सोना, जगना, संतुलित आहार, पौष्टिक आहार लेना हमारे जीवन का हिस्सा रहा है।

यह सब हमारी दिनचर्या में शामिल था। दिनचर्या बदली, लाइफ स्टाइल बदली और उसके परिणाम भी हम सब के सामने हैं। आज हम सब जिस चुनौती से घिरे हुए हैं। इसके दो पक्ष हमारे सामने है। यह बचाव और एक उपचार का पक्ष है। आपकी उपचार में रुचि में है। आप इस क्षेत्र में रिसर्च में रुचि होगी। लेकिन मेरा मानना है कि बचाव ज्यादा जरूरी है। उसके लिए जागरूकता फैलाना चाहिए। बहुत बड़ी संख्या में इस बीमारी की चपेट में लोग आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ऐसा नहीं है कि सरकार ने इस ओर कोई ठोस कदम न उठाए हों। आठ से 10 साल पहले कोई व्यक्ति बीमार पड़ता था तो परिवार को सबसे अधिक पैसे की चिंता होती थी। भारत के 60 से अधिक लोगों को हेल्थ स्कीम से जोड़ा गया है। उनका निःशुल्क इलाज हो रहा है। उप्र में आयुष्मान योजना के अलावा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से लाभान्वित किया है। राज्य कर्मचारियों के साथ ही अभी हाल में ही आंगबाड़ी कार्यि र्कीयों, रसोइयां, शिक्षा मित्र और अनुदेशकों को भी को निःशुल्क इलाज की व्यवस्था प्रदान की गयी है। आज यूपी में 81 मेडिकल कॉलेज और दो एम्स का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है।

योगी ने कहा कि सुविधा बढ़ाने के साथ सरकार ने और भी प्रयास किये हैं। उपकरण सस्ते मिलें, फार्मा पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। यह प्रयास इलाज को सुलभ बनाएंगे। इस सब के बावजूद यदि हमने अपने लाइफ स्टाइल नहीं बदलने से अच्छा जीवन मिल सकता है। मेडिकल कॉलेजों में मरीजों को भीड़ है। क्या डॉक्टर अपने मरीज को पर्याप्त समय दे पा रहा है। चार से छह घंटे आम जन स्मार्ट फोन के सम्पर्क में है। इसलिए जरूरी है कि सभी लोग अपने दिनचर्या में बदलाव करें। इसके लिए यदि कोई चिकित्सक कहेगा तो उसकी बात लोग ज्यादा मानेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मिलावटखोरी चरम पर है। एक जिले में मैं गया था। डेरी उत्पाद के बारे में जानकारी की। आप जितना चाहो उतना डेरी उत्पाद आर्डर कर दीजिए, वह सप्लाई कर देते हैं। छापा मरवाया तो हजारों कुंतल खोया और पनीर बरामद हुआ। आज आप कार्यक्रम में जा रहे हैं, क्या खा रहे हैं, इसका कोई ठिकाना नहीं है। जो समझकर खा रहे हैं, वही है, इसका कोई भरोसा नहीं है। इसलिए अपनी दिनचर्या में बदलाव कीजिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने दवाओं के साथ योग को आगे बढ़ाया। दुनिया उसे अंगीकार कर रही है। उपचार सस्ता हो, इस दिशा में सरकार ने कार्य किया है। भगवान की कृपा है कि गरीब को हृदय रोग कम ही होता है। वह कठिन परिश्रम करता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बीमारू भारत सशक्त नहीं हो सकता, समृद्ध नहीं हो सकता और आत्मनिर्भर भी नहीं हो सकता है। चिकित्सकों से अपील किया कि वे दोनों पक्षों पर विचार करें। इस फील्ड के लिए अच्छा होगा ही, साथ में स्वस्थ समाज होगा। स्वस्थ समाज से ही देश स्वस्थ एवं समृद्ध होगा।

जम्मू-कश्मीर में शहीद हुआ सुलतानपुर का लाल सैनिक सम्मान के साथ दी गयी अंतिम विदाई

सुलतानपुर। देश की रक्षा करते हुए जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के अखिलेश शुक्ला शहीद हो गये।सेना की ईएमई रेजिमेंट नायक अखिलेश शुक्ला का पार्थिव शरीर पैतृक गांव मझना पूरे वैसी का पुरवा पहुंचा। तिरंगे में लिपटे शहीद के शव आते ही पूरा इलाका शोक में डूब गया। शुक्रवार को सैनिक सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गयी।

सुलतानपुर के अलीगंज स्थित मझना गांव में पार्थिव शरीर पहुंचने पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। अयोध्या से आए डोगरा रेजिमेंट के जवानों ने सैन्य सम्मान के साथ शहीद को कंधा दिया। इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'अखिलेश शुक्ला अमर रहें' के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। नायक अखिलेश शुक्ला ईएमई रेजिमेंट में तेहगांव में तैनात थे। 28 मार्च की रात लगभग 9 बजे एक सर्च ऑपरेशन के दौरान उन्हें गोली लग गई थी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें दिल्ली के आरआर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान बुधवार की रात उन्होंने अंतिम सांस ली । शहीद अखिलेश शुक्ला के पिता भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हैं। वह अपनी दो बहनों के इकलौते भाई थे। अंतिम संस्कार के दौरान सेना के जवानों ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ शहीद को सलामी दी। बंदूकों की गूंज और बिगुल की धुन के बीच उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम थीं।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के बच्चों की शिकायतों का लिया गया संज्ञान

सत्यता की जांच के बाद होगी कार्रवाई: बीएसए

वाराणसी। वाराणसी में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि वाराणसी के समस्त गैर सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रबन्धक व प्रधानाचार्यों को निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अंतर्गत चयनित एवं आवंटित बच्चों के प्रवेश के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लिया गया है। प्राप्त शिकायतों में विद्यालयों द्वारा बच्चों को प्रवेश देने से इंकार करना, अभिभावकों से अवैध अथवा अनावश्यक शुल्क की मांग करना, प्रवेश हेतु अप्रासंगिक दस्तावेज़ों की मांग करना तथा अभिभावकों को अनावश्यक रूप से परेशान करना सम्मिलित है, जो कि अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है।

उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि किसी विद्यालय के विरुद्ध इस प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है एवं जांच में आरोप सत्य पाए जाते हैं, तो संबंधित विद्यालय के विरुद्ध अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत कठोर विधिक कार्यवाही की जाएगी तथा ऐसे विद्यालयों को शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, शासन के आदेश अनुसार निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रवेश प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। पत्र निर्गत होने के पश्चात भी यदि किसी विद्यालय के विरुद्ध प्रवेश न देने संबंधी शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित विद्यालय की मान्यता प्रत्याहरण की कार्यवाही की जाएगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय की होगी। अतः समस्त विद्यालयों को निर्देशित किया जाता है कि उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

उत्तर प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी, प्रदेश में कुल 13.39 करोड़ मतदाता, 84 लाख मतदाताओं की हुई वृद्धि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की लंबी प्रक्रिया के बाद शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। इसमें 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। इनमें प्रदेश में पुरुष मतदाता 7 करोड़, 30 लाख, 71 हजार 61 और महिला मतदाता 6 करोड़, नौ लाख, 9525 है। एसआईआर में विभिन्न कारणों से 8 लाख 15 हजार 996 मतदाताओं के नाम काटे गये हैं। इनमें नोटिस देने के बावजूद सही जवाब न मिलने के कारण काटे गये 3 लाख 50 हजार 436 मतदाताओं के भी नाम शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने लोकभवन स्थित मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता में बताया कि प्रदेश में 166 दिन तक चली विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई। जारी मतदाता सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। इसमें 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। इनमें प्रदेश में पुरुष मतदाता 7 करोड़, 30 लाख, 71 हजार 61 और महिला मतदाता 6 करोड़, नौ लाख, 9525 है। तृतीय लिंग के मतदाताओं की संख्या 4 हजार 206 है। प्रदेश में 18 से 19 आयुवर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या 17 लाख, 63 हजार 360 है। इसमें मतदाताओं में 54.54 प्रतिशत पुरुष जबकि 45.46 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम छूट गए हैं वे मतदाता अभी भी फॉर्म 6 भरकर सूची में शामिल हो सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आज जारी की गयी अंतिम मतदाता सूची में प्रदेश के पांच जिलों में सबसे अधिक मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

इनमें प्रयागराज टॉप पर है। प्रयागराज में 3 लाख 29 हजार 421 मतदाता, लखनऊ में 2 लाख, 85 हजार 961 मतदाता, बरेली में 2 लाख 57 हजार 920 मतदाता, गाजियाबाद में 2 लाख 43 हजार 666 मतदाता और जौनपुर में 2 लाख 37 हजार 590 मतदाता बढ़े हैं। इसके अलावा प्रदेश के जिन पांच विधानसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक मतदाता वृद्धि दर्ज की गयी है। उनमें साहिबाद में 82 हजार, जौनपुर में 56 हजार 158, लखनऊ पश्चिम में 54 हजार 822, फिरोजाबाद में 47 हजार 557 मतदाता बढ़े हैं।

उन्होंने बताया कि एसआईआर के तहत 6 जनवरी को 12.55 करोड़ मतदाताओं की मसौदा सूची जारी की गई थी। इसके बाद 6 मार्च तक लोगों से इस ड्राफ्ट मतदाता सूची पर सभी प्रकार के दावे व आपत्तियां आंमत्रित की गयी थी, इनमें 86.69 लाख लोगों ने मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने के लिए फॉर्म-6 भरा। वहीं 3.18 लाख लोगों ने नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 भरा था। मतदाता सूची में 1.04 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनके नाम का मिलान माता-पिता, बाबा-दादी व नाना-नानी से न होने के कारण इन्हें नोटिस दिया गया था।

वहीं 2.22 करोड़ लोग तार्किक विसंगति वाले थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया ने बताया कि एसआईआर में भाजपा,समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बसपा समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश व जिला स्तर पर बैठकें हुई हैं और उनमें आयी शिकायतें व ज्ञापनों की सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया गया, इतना ही नहीं इन दलों ने अपने अपने कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल एजेंट के रूप में नियुक्त किया था, इन्होंने बूथ स्तर पर एसआईआर से जुड़े कार्यों को लेकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

जौनपुर में आग से गुमटियां जलकर राख

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में लाइन बाजार थाना क्षेत्र स्थित वाजिदपुर तिराहे के पास सिटी टावर से पहले सड़क किनारे बनी गुमटियों में शुक्रवार सुबह 4 बजे आग लग गई।

आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते कई गुमटियां इसकी चपेट में आ गईं। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दिया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के अधिकारी नागेंद्र द्विवेदी अपनी टीम और दो दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। आग ने विकराल रूप ले लिया था, जिसे काबू में करने में टीम को घंटों मशक्कत करनी पड़ी।प्रत्यक्षदर्शी कृपावंश जायसवाल ने बताया कि वह सुबह करीब 4 बजे मॉर्निंग वॉक पर जा रहे थे, तभी अचानक आग लगी देखी। उन्होंने तुरंत लोगों को फोन कर सूचना दी और फायर स्टेशन को भी जानकारी दी, जिसके बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग से कई दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ है। पीड़ित दयाराम प्रजापति ने बताया कि उनकी नाश्ते की दुकान में आग लगने से करीब 60 से 65 हजार रुपये का सामान जलकर राख हो गया। वहीं, बबलू प्रजापति की गुमटी पूरी तरह से जल गई, जिससे उन्हें काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। पीड़ितों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

ट्रेन की चपेट में आकर वृद्धा की मौत

मीरजापुर। अदलहाट थाना क्षेत्र के नरायनपुर बाजार रेलवे स्टेशन के पूर्व बंद रेलवे फाटक के पास शुक्रवार को एक वृद्धा की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। भोरमार गांव निवासी 65 वर्षीय रम्बा देवी बैंक में रुपये जमा कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान रेलवे ट्रैक पार करते समय मीरजापुर की ओर जा रही एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गईं, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे।

सांसद नीरज शेखर ने किया सातवीं चंद्रशेखर हाफ मैराथन का लोगो लांच

बलिया। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया में पूर्व प्रधानमंत्री जननायक चंद्रशेखर की स्मृति में 19 अप्रैल को होने वाली सातवीं हाफ मैराथन का लोगो गुरुवार को देर शाम राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने अपने आवास 'झोपड़ी' पर चंद्रशेखर मैराथन समिति के सदस्यों की मौजूदगी में लांच किया। इस अवसर पर अब तक की गयीं तैयारियों की समीक्षा भी की गयी।

पटपर (पचखोरा) स्थित शारदा पेट्रोल पंप से जिला मुख्यालय स्थित वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम तक 21.1 किमी दूरी वाले इस मैराथन की सफलता को लेकर गुरुवार देरशाम हुई बैठक में विभिन्न समितियों के गठन को अंतिम रुप दिया गया। लेखा समिति, उद्घाटन समिति, व्यवस्था समिति व समापन समिति से लेकर खिलाड़ियों को रिसीव करने व उनके ठहरने के इंतजामों पर व्यापक चर्चा हुई। काफी देर तक चर्चा के बाद आयोजन समिति से जुड़े सभी सदस्यों को उनकी जिम्मेदारी सौंपी गयी। आयोजन समिति के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने कहा कि चंद्रशेखर हाफ मैराथन की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। पूर्व प्रधानमंत्री की गरिमा और वैश्विक खिलाड़ियों के आगमन को देखते हुए इस बार के आयोजन को भव्य रुप देना है।

चंद्रशेखर मैराथन समिति के सचिव उपेंद्र सिंह ने पूरे आयोजन की रुपरेखा सबके सामने प्रस्तुत किया। तकनीकी विशेषज्ञ पंकज सिंह ने खिलाड़ियों के पंजीकरण और उनकी बड़ी संख्या में सहभागिता को लेकर तकनीकी चर्चा किया। इस अवसर पर राघव सिंह, बिजेंद्र राय, रियाजुद्दीन राजू, धर्मवीर सिंह, शिवजी राय चन्देल, मानवेन्द्र सिंह, इफ्तेखार खां, राकेश सिंह, अनुराग श्रीवास्तव, अखिलेश सिंह, रुस्तम अली, उमेश सिंह, संतोष सिंह, अजय सिंह, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, रणजीत सिंह मंटू, धीरेन्द्र राय , अजय सिंह, सिद्धार्थ शंकर, नीशू श्रीवास्तव, मनोज शर्मा, बृजेश सिंह, पंकज राय, आशीष त्रिवेदी, भवतोष पाण्डेय, विरेन्द्र सिंह, जितेन्द्र प्रताप सिंह हर्षदेव राम, अविनाश सिंह , डा. प्रवीण सिंह आदि उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता सुधीर कुमार सिंह ने की जबकि संचालन अजीत सिंह ने किया।

मऊ: सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत

मऊ। उत्तर प्रदेश में मऊ जनपद के घोसी थाना क्षेत्र स्थित जामडीह इलाके में बुधवार देर रात सड़क हादसे में एक ही गांव के तीन युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि बीबीपुर गांव निवासी बेचन यादव (30), प्रमोद यादव (28) और आजाद यादव (32) आपस में गहरे मित्र थे। तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर घोसी स्थित एक निजी अस्पताल में अपने दोस्त को खाना पहुंचाने गए थे, जहां उसके घर में नवजात शिशु के जन्म के चलते उसकी पत्नी भर्ती थी। बुधवार की देर रात खाना पहुंचाकर लौटते समय जामडीह के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बोलोरो से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही घोसी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल बोलोरो वाहन को कब्जे में ले लिया है, जबकि उसका चालक मौके से फरार हो गया। उधर, जैसे ही हादसे में तीनों युवकों की मौत की खबर गांव पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने बताया कि तीनों युवक हमेशा साथ रहते थे और उनकी दोस्ती पूरे इलाके में मिसाल मानी जाती थी।

बलिया में सीएमओ ने दस्तक अभियान का किया शुभारम्भ, बुखार के रोगियों की खोज करेंगी आशा

देवरिया । उत्त्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में शुक्रवार को संचारी रोगों की रोकथाम के लिए 'दस्तक अभियान' का शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने परशुराम चौक स्थित प्राथमिक विद्यालय से आशा, आंगनबाड़ी और सहायिकाओं के साथ फीता काटकर तथा घर-घर दस्तक देकर अभियान की शुरुआत की।

सीएमओ ने बताया कि यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। इसके तहत जिले की आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर बुखार, खांसी, जुकाम, मलेरिया, जेई/एईएस, चिकनगुनिया, क्षय रोग, फाइलेरिया और कालाजार जैसे लक्षणों वाले मरीजों की पहचान करेंगी। साथ ही कुपोषित बच्चों की सूची भी तैयार की जाएगी। जिले में कुल 2756 आशा कार्यकर्ताओं की टीमें सक्रिय हैं, जिन्हें प्रतिदिन कम से कम 15 घरों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य दिया गया है। चिन्हित मरीजों का नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर उपचार कराया जाएगा। इस अवसर पर डिप्टी सीएमओ (वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल) डॉ. हरेंद्र कुमार, अरबन नोडल अधिकारी डॉ. आरपी यादव, डीएमओ सीपी मिश्रा मौजूद रहे।

सीएसके खाता खोलने को बेताब

सैमसन और गायकवाड़ पर होगा दबाव

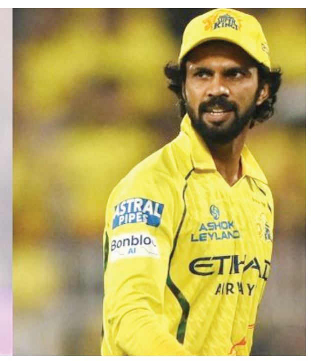

चेन्नई। सत्र की पहली जीत हासिल करने के लिए बेताब चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेगी तो उसके अनुभवी सलामी बल्लेबाजों संजू सैमसन और रुतुराज गायकवाड़ पर अच्छा प्रदर्शन करने का काफी दबाव होगा। सीएसके को तीन अलग-अलग मैदानों पर हार का सामना करना पड़ा है और इस तरह से उसके लिए सत्र की शुरुआत निराशाजनक रही है। सीएसके को अगर अपना खाता खोलना है तो उसे बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

अभी तक खेले गए तीन मैच में डेवाल्ड ब्रेविस की अनुपस्थिति ने भी टीम के संतुलन को प्रभावित किया है। दक्षिण अफ्रीका के इस विस्फोटक बल्लेबाज के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में चोट से उबरकर वापसी करने की उम्मीद है। हालांकि महेंद्र सिंह धोनी की वापसी को लेकर अभी कोई स्पष्टता नहीं है, जो पिंडली में खिंचाव के कारण इस सत्र में अभी तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। सीएसके के लिए हालात बेकाबू होने से पहले सैमसन और गायकवाड़ की सलामी जोड़ी को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। कार्तिक शर्मा को भी मध्य क्रम में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है, जबकि प्रशांत वीर ने निचले क्रम में अच्छा खेल दिखाया है। एकमात्र बल्लेबाज जिसने निरंतरता दिखाई है, वह सरफराज खान हैं, जो खुद को साबित करना चाहते हैं। सीएसके के गेंदबाजों ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 250 रन लुटाए, जो बल्लेबाजों के लिए बहुत बड़ा लक्ष्य साबित हुआ। खलील अहमद को छोड़कर बाकी सभी गेंदबाजों ने प्रति ओवर 12 या उससे अधिक रन लुटाए। चेपॉक में यह सत्र का दूसरा मैच होगा। इससे पहले यहां जो पिछला मैच खेला गया था उसमें पंजाब किंग्स में 210 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम दिल्ली में खेले गए पिछले मैच में गुजरात टाइटन्स के हाथों एक रन से मिली हार से आहत होगी।

अक्षर पटेल की अगुवाई वाली टीम आईपीएल जैसे बेहद प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में लय बरकरार रखने के महत्व को समझती है और अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से सीएसके की मुश्किलें और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध होगी। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ स्कोर बराबर करने के लिए डेविड मिलर का एक रन लेने से इनकार करना पूरे सत्र में बहस का विषय बना रहेगा, लेकिन निश्चित रूप से ड्रेसिंग रूम में इस पर चर्चा नहीं होगी। दक्षिण अफ्रीका के इस बल्लेबाज का यह फैसला उनके दिमाग पर असर डाल सकता है।

उन्होंने अंतिम गेंद पर मैच खत्म करने का बीड़ा उठाया था लेकिन वह इसमें नाकाम रहे। शुरू के कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मुकेश कुमार भी पिछले मैच में नहीं चल पाए थे। उन्होंने अपने चार ओवरों में 55 रन लुटा दिए थे। इसके कारण दिल्ली को पावरप्ले में अपनी रणनीति पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। मिचेल स्टार्क की अनुपस्थिति में लुंगी एनगिडी ने टी20 विश्व कप का अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। बल्लेबाजी में केएल राहुल की पिछले मैच में फॉर्म में वापसी टीम के लिए सकारात्मक संकेत है लेकिन नितीश राणा अभी तक उसके बल्लेबाजी क्रम में कमजोर कड़ी साबित हुए हैं।

टीम इस प्रकार हैं:

सीएसके: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, खलील अहमद, नाथन एलिस, गुरजापनीत सिंह, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, मुकेश चौधरी, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, कार्तिक शर्मा, जेमी ओवरटन, श्रेयस गोपाल, अंशुल कम्बोज।

दिल्ली कैपिटल्स: अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय जादव मंडल, माधव तिवारी, टी नटराजन, साहिल पारख.

मैच शुरू होने का समय: भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे।

मुकुल ने पूरा किया धोनी की तरह छक्के जड़कर मैच का अंत करने का सपना

कोलकाता। युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी का बचपन से ही सपना था कि वह महेंद्र सिंह धोनी की तरह छक्के जड़कर मैच का समापन करें और गुरुवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में तीन विकेट से जीत दिलाकर उन्होंने अपना यह सपना पूरा कर दिया। इस 21 वर्षीय बल्लेबाज ने 27 गेंद पर नाबाद 54 रन बनाए जिसमें दो चौके और सात छक्के शामिल हैं।

मुकुल ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''मैं यह पारी अपने पिता को समर्पित करता हूं। शादी से पहले से ही उनका सपना था कि उनका बेटा क्रिकेटर बने। मैं एमएस (धोनी) सर को भी देखता रहा हूं कि किस तरह से वह पारी समाप्त करते हैं। मैं भी उसी नंबर पर खेलता हूं, इसलिए मैं यह पारी उन्हें भी समर्पित करता हूं।'' मुकुल ने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की और वह हर दिन लगभग 150 छक्के लगाने का अभ्यास करते हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे 'जीन्स' ऐसे हैं और मेरी शारीरिक बनावट ऐसी है कि मेरे शॉट्स में ताकत होती है। मैं खूब अभ्यास भी करता हूं। मैं हर दिन लगभग 100-150 छक्के लगाता हूं। पिछले पांच-छह महीनों से मैंने बहुत अभ्यास किया और इसका असर अब मेरी बल्लेबाजी में देखने को मिल रहा है।''

उन्होंने धोनी की तरह अपने 'हेलीकॉप्टर शॉट' के बारे में भी बात की। उन्होंने 17वें ओवर में वैभव अरोड़ा की गेंद पर इसी तरह का शॉट लगाकर छक्का जड़ा था। मुकुल ने कहा, ''मैंने बचपन से ही उस शॉट का अभ्यास किया है। मुझे यह शॉट खेलना बहुत पसंद है। धोनी जिस तरह से पारी का अंत करते हैं वह भी मुझे पसंद है। वह यॉर्कर पर भी छक्का मार देते थे। अगर आप उस तरह की गेंद पर भी छक्का जड़ देते हैं, तो गेंदबाज कुछ अलग करने के बारे में सोचने लगता है।

केकेआर के पॉवेल ने अंपायरों की 'गलती' और धीमे विकेट पर अफसोस जताया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाड़ी रोवमैन पॉवेल ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान अंपायरों की 'गलती' की आलोचना की और अपनी टीम की करीबी हार के लिए ईडन गार्डन्स की धीमी पिच को जिम्मेदार ठहराया। एलएसजी का स्कोर 16 ओवर के बाद सात विकेट पर 127 रन था लेकिन उसने युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी की नाबाद 54 रन की पारी की मदद से तीन विकेट से जीत हासिल की। पॉवेल ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''आप ईडन गार्डन्स को अपना गढ़ बनाना चाहते हैं। यह आपका घरेलू मैदान है और दर्शकों का समर्थन आपको मिलता है। घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा उठाना अच्छा लगता है लेकिन इस युवा खिलाड़ी (मुकुल) को श्रेय जाता है। उन्होंने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की।'' केकेआर को चार मैच में एक भी जीत नहीं मिली है। इनमें से तीन मैच उसने अपने घरेलू मैदान पर खेले हैं। एलएसजी के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत के बावजूद वह चार विकेट पर 181 रन ही बना पाया। इस मैच में उसके सलामी बल्लेबाज फिन एलन (09) विवादास्पद तरीके से आउट हो गए।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी लय जारी रखने उतरेगा पंजाब किंग्स

मुल्लांपुर। पिछले साल के अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखने वाली पंजाब किंग्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब तक संघर्ष कर रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले मैच में अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

पिछले साल की उपविजेता पंजाब किंग्स की टीम ने जिस तरह से अभी तक प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ बारिश के कारण रद्द कर दिए गए उसके पिछले मैच में अंक बांटने से वह खुश नहीं होगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में पंजाब किंग्स में यह दिखा दिया है कि एक विजेता टीम पर दृष्टिकोण कैसा होना चाहिए। फिर चाहे वह चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 200 रन से अधिक के लक्ष्य का आसानी से पीछा करना हो या मुल्लांपुर की मुश्किल पिच पर पूर्व चैंपियन गुजरात टाइटन्स को हराना। केकेआर के खिलाफ ईडन गार्डन्स में भी पंजाब किंग्स ने अच्छी शुरुआत की थी।

उसके ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने शुरू में ही दो विकेट ले लिए थे लेकिन भारी बारिश और आंधी के कारण उसे अंक बांटने के लिए मजबूर होना पड़ा था। पिछले सत्र में 500 से अधिक रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह ने टीम के दृष्टिकोण को स्पष्ट कर दिया।

उन्होंने कहा कि पंजाब किंग्स के खिलाड़ी ऑरेंज कैप (टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाला बल्लेबाज) या पर्पल कैप (टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज) हासिल करने की होड़ के बजाय सामूहिक सफलता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उसकी यह मानसिकता कूपर कोनोली की गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रनों की पारी और विजयकुमार वैशाक के गेंदबाज़ी में बढ़ते प्रभाव में स्पष्ट नजर आता है।

टीम इस प्रकार हैं:

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अर्शदीप सिंह, प्रियांश आर्य, पाइला अविनाश, अजमतुल्लाह उमरजई, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, कूपर कोनोली, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरनूर सिंह, हरप्रीत बराड़, मार्को यानसन, मुशीर खान, विशाल निशाद, मिचेल ओवेन, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, विष्णु विनोद, विजयकुमार वैश्यक, नेहल वढेरा, यश ठाकुर।

सनराइजर्स हैदराबाद: ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा।

भारतीय महिला व्हीलचेयर 3x3 बास्केटबॉल टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली। भारत की 3x3 महिला व्हीलचेयर बास्केटबॉल टीम ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होने वाले आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है। राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे, जिसमें 3x3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल प्रतियोगिता 24 से 29 जुलाई तक स्कॉटिश इवेंट कैंपस में खेली जाएगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ एशिया ओशिनिया क्वालीफायर के के जरिए क्वालीफाई किया है। इसमें केवल इन दोनों टीम ने ही हिस्सा लिया था और उन्होंने क्रमशः एशिया और ओशिनिया का प्रतिनिधित्व करते हुए क्वालीफाई किया। हालांकि पुरुष टीम इसी प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहने के कारण क्वालीफाई नहीं कर सकी। अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर बास्केटबॉल महासंघ (आईडब्ल्यूबीएफ) ने कहा, ''पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिताओं में अंतिम दो स्थान का फैसला वाइल्डकार्ड से किया जाएगा जिसमें क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, पिछले प्रदर्शन और विकास कार्यक्रमों में भागीदारी आदि को मुख्य आधार माना जाएगा।'' ऑस्ट्रेलिया ने अजेय रहते हुए पुरुषों की तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि मलेशिया ने दूसरे स्थान पर रहकर क्वालीफाई किया। अब तक क्वालीफाई कर चुकी महिला टीमों में मेजबान स्कॉटलैंड, अफ्रीका से नाइजीरिया, एशिया से भारत, ओशिनिया से ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका से कनाडा और यूरोप से इंग्लैंड शामिल हैं।

हॉकी इंडिया ने टिम व्हाइट को भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में टिम व्हाइट की नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा की है। ऑस्ट्रेलिया के इस अनुभवी कोच ने हाल ही में जनवरी 2026 में हीरो हॉकी इंडिया लीग में तमिलनाडु ड्रैगन्स टीम के मुख्य कोच के रूप में काम किया था। अब वह भारत की उभरती हुई युवा प्रतिभाओं को निखारने की जिम्मेदारी संभालेंगे। टिम व्हाइट का कोचिंग करियर काफी प्रभावशाली रहा है। भारत आने से पहले वह बेल्जियम की अंडर-21 महिला टीम के कोच थे, जहां उन्होंने टीम को दिसंबर 2025 में जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक दिलाया। इसके अलावा 2021 से 2024 के बीच वह बेल्जियम की सीनियर महिला टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे, इस दौरान टीम की विश्व रैंकिंग 12वें स्थान से बढ़कर तीसरे स्थान तक पहुंची और 2024 पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। इससे पहले वह ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के राष्ट्रीय कोच भी रह चुके हैं, जहां उन्होंने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक हासिल किया था। अपनी नियुक्ति पर टिम व्हाइट ने कहा कि भारत में हॉकी के प्रति जुनून और समृद्ध परंपरा ने उन्हें दोबारा यहां आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वह यहां की युवा प्रतिभाओं को नजदीक से देख चुके हैं और उनका लक्ष्य ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना है, जो तकनीकी रूप से मजबूत हों और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार रहें। टीम को लेकर अपनी योजना साझा करते हुए उन्होंने कहा कि वह खेल को सरल रखते हुए टीम की सामूहिक और व्यक्तिगत ताकत पर ध्यान देंगे। उनका लक्ष्य एक ऐसी टीम तैयार करना है जो आक्रामक हॉकी खेले, लेकिन रक्षण में भी अनुशासन बनाए रखे। साथ ही उन्होंने फिटनेस और दबाव में बेहतर प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दी। टिम व्हाइट की नियुक्ति को भारतीय हॉकी में आधुनिक रणनीति और अनुशासन लाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

बेमौसम बारिश से 2.49 लाख हेक्टेयर में रबी फसलों को नुकसान, गेहूं सबसे ज्यादा प्रभावित: कृषि मंत्री

भोपाल। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से अब तक 2.49 लाख हेक्टेयर में खड़ी रबी फसलों को नुकसान पहुंचा है, जिसमें सबसे अधिक गेहूं की खेती प्रभावित हुई है। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में 'उन्नत कृषि मेला' शुरू होने से पहले यहां संवाददाताओं से बातचीत में चौहान ने कहा कि असामान्य मौसम और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का तीन विभागों की ओर से सर्वेक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों से भी तुरंत नुकसान का आकलन करने को कहा गया है। चौहान ने कहा कि आठ अप्रैल तक हुए नुकसान में गेहूं को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है और इसके बाद आम और लीची जैसी बागवानी फसलें प्रभावित हुई हैं। उन्होंने आश्वासन दिया, ''मोदी सरकार इस संकट में किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है।'' केंद्रीय कृषि मंत्री ने पांच अप्रैल को अधिकारियों को प्रभावित राज्यों में नुकसान की समीक्षा करने और राज्य सरकारों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया था। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के कृषि मंत्रियों से भी परामर्श किया है। इससे पहले भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगाह किया था कि सात अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा। इससे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में 10 अप्रैल तक भारी बारिश के अलावा गरज के साथ छींटे पड़ने और ओलावृष्टि के आसार हैं। आईएमडी के मुताबिक मध्यप्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, तेलंगाना, जम्मू और कश्मीर, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और असम-मेघालय में आंधी-तूफान के साथ मध्य, उत्तर, पूर्व और पूर्वोत्तर राज्यों में तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि हुई। आईएमडी ने जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ, उत्तर प्रदेश, बांग्लादेश, असम और ओडिशा में चक्रवाती परिसंचरण और संबंधित ट्रफ के कारण 9-15 अप्रैल तक और अधिक बारिश होने का अनुमान जताया है। जून से खरीफ की बुवाई के लिए किसानों की तैयारी के बीच चौहान ने कहा कि सरकार पश्चिम एशिया के तनाव से वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचने के लिए उर्वरकों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा, '' खरीफ 2026 के लिए फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी बढ़ाकर 41,534 करोड़ रुपये कर दी गई है। आयात स्रोतों में विविधता लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।'' मंत्री ने कहा, ''सरकार की प्राथमिकता यह है कि किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य मिले, उर्वरकों की उपलब्धता बनी रहे और किसान पर वैश्विक संकट का बोझ न्यूनतम रहे।'' औद्योगिक उपयोग के मद्देनजर उर्वरकों की कालाबजारी रोकने के लिए हरियाणा और मध्यप्रदेश में 'एग्रीस्टैक' नाम की एक पायलट परियोजना क्रियान्वित की जा रही है।

भारत लाभों के दोहराव को रोकने के लिए एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाए : एडीबी

नई दिल्ली। भारत ''एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा'' अपनाकर अपनी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बना सकता है। इससे लाभों का दोहराव कम होगा, लक्षित लाभार्थियों तक बेहतर पहुंच बनेगी और दीर्घकालिक वृद्धि के लिए राजकोषीय संसाधन मुक्त हो सकेंगे। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने शुक्रवार को यह सुझाव दिया। 'एशिया डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट' में भारत से जुड़ी नीतिगत चुनौतियों का उल्लेख करते हुए एडीबी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों की कई योजनाओं में समान लाभार्थी समूहों शामिल हैं और पात्रता, लाभ स्तर या वितरण व्यवस्था को लेकर इनके बीच समन्वय सीमित है। ''लाभों का दोहराव'' का मतलब एक ही व्यक्ति या परिवार का अलग-अलग सरकारी योजनाओं से समान प्रकार के लाभ लेने से है जैसे किसी व्यक्ति का राज्य सरकार की पेंशन योजना और केंद्र की पेंशन योजना दोनों से लाभ लेना। रिपोर्ट में कहा गया, '' पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दिव्यांगता 'कवरेज' को जोड़ने वाला एकीकृत ढांचा जिसमें अंशदायी योजनाएं भी शामिल हों.. यह लाभों के दोहराव को कम करेगा और लोगों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं से बेहतर तरीके से निपटेगा।'' इसके अनुसार यह व्यवस्था राज्यों के स्तर पर भिन्न परिस्थितियों के अनुरूप दृष्टिकोण अपनाने में भी मदद करेगी क्योंकि सामाजिक सुरक्षा की जरूरतें जनसांख्यिकीय संरचना, रोजगार ढांचे और राजकोषीय क्षमता के अनुसार अलग-अलग हो सकती हैं। मनीला स्थित इस बहुपक्षीय वित्तीय संस्था ने कहा कि इस तरह का दृष्टिकोण सरकारों को लाभ हस्तांतरण की सुरक्षा भूमिका को बनाए रखने या मजबूत करने की अनुमति देगा। साथ ही कुल राजकोषीय लागत को नियंत्रित रखते हुए बुनियादी ढांचा एवं मानव पूंजी निवेश के लिए संसाधन उपलब्ध कराएगा जो दीर्घकालिक वृद्धि के लिए जरूरी हैं। एडीबी ने कहा, '' एक एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा सरकार के सभी स्तरों पर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में व्याप्त विखंडन को दूर करेगा।'

एडीबी ने 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने मजबूत घरेलू मांग, आसान वित्तपोषण परिस्थितियों और भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के कम शुल्क के समर्थन से चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर के 6.9 प्रतिशत रहने का शुक्रवार को अनुमान लगाया। वहीं अगले वित्त वर्ष में इसके 7.3 प्रतिशत रहने की संभावना है। 'एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट' में एडीबी ने कहा कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है तो इससे कई माध्यमों के जरिये भारत के व्यापक आर्थिक प्रदर्शन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इनमें ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, व्यापार प्रवाह में बाधा एवं धन प्रेषण (रेमिटेंस) में कमी शामिल हैं क्योंकि यह क्षेत्र भारत के बाहरी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है। एडीबी ने अनुमान जताया कि खाद्य कीमतों में पहले आई गिरावट के बाद उछाल, वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि, मुद्रा की कमजोरी और कीमती धातुओं की बढ़ती कीमतों के कारण मुद्रास्फीति 2025-26 के 2.1 प्रतिशत से बढ़कर चालू वित्त वर्ष में 4.5 प्रतिशत हो सकती है। अगले वित्त वर्ष 2027-28 में तेल कीमतों में नरमी के कारण यह घटकर चार प्रतिशत रहने का अनुमान है। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने कहा, '' पश्चिम एशिया में लंबा संघर्ष (विकासशील एशिया व प्रशांत) क्षेत्र के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है क्योंकि इससे ऊर्जा एवं खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार ऊंची बनी रह सकती हैं और वित्तीय स्थितियां और भी कठिन हो सकती हैं।'' पार्क ने कहा, '' व्यापार नीति में नए सिरे से उत्पन्न अनिश्चितता के कारण अतिरिक्त जोखिम खड़े हो रहे हैं। ऐसे में सरकारों के लिए वृद्धि को बनाए रखने और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए ठोस व्यापक आर्थिक नीतियां लागू करना आवश्यक है। साथ ही कमजोर परिवारों की सुरक्षा के लिए लक्षित सहायता उपाय भी किए जाने चाहिए।'' एडीबी का अनुमान है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और व्यापार में जारी अनिश्चितता के कारण विकासशील एशिया व प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक वृद्धि दर पिछले वर्ष के 5.4 प्रतिशत से घटकर 2026 और 2027 दोनों वर्षों में 5.1 प्रतिशत हो जाएगी। भारतीय अर्थव्यवस्था के गत वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने का अनुमान है जो 2024-25 के 7.1 प्रतिशत से अधिक है। इस वृद्धि की मुख्य वजह आयकर और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती, खाद्य कीमतों में गिरावट से मजबूत घरेलू खपत और स्थिर सार्वजनिक निवेश को माना जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया, '' वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक माहौल के बिगड़ने के बावजूद वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत पर मजबूत बनी रहने का अनुमान है। यह गतिविधि मजबूत घरेलू मांग से संचालित होगी, जिसे आसान वित्तपोषण परिस्थितियों एवं और भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के कम शुल्क से समर्थन मिलेगा।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च में निवेश 56 प्रतिशत बढ़कर 40,450 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। बाजार में उतार-चढ़ाव और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा बरकरार रहने से शेयर आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में मार्च में शुद्ध निवेश 56 प्रतिशत बढ़कर 40,450 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंड में मजबूत निवेश के कारण हुई जिनकी कुल शुद्ध निवेश में बड़ी हिस्सेदारी रही। 'एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया' (एम्फी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के जरिये मासिक निवेश बढ़कर 32,087 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले महीने 29,845 करोड़ रुपये था। आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में 25,978 करोड़ रुपये के मुकाबले मार्च में इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश बढ़कर 40,450 करोड़ रुपये हो गया। फ्लेक्सी कैप फंड में सबसे अधिक 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश आया। इसके बाद स्मॉल कैप फंड में 6,263 करोड़ रुपये और मिड कैप फंड में 6,063 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। अधिकांश श्रेणियों में सकारात्मक प्रवाह रहा, हालांकि कर-बचत वाली ईएलएसएस योजनाओं में मामूली निकासी देखी गई।

जेएएल के चेयरमैन ने कंपनी के अधिग्रहण को लेकर अडाणी समूह पर जताया भरोसा

नई दिल्ली। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के चेयरमैन जयप्रकाश गौर ने कंपनी के अधिग्रहण को लेकर अडाणी समूह पर अपना भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि लेनदारों की समिति और रेज़ोल्यूशन प्रोफेशनल ने एक निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई है।उन्होंने कहा कि गौतम अडाणी के नेतृत्व में कंपनी सभी हितधारकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगी। जयप्रकाश गौर ने कहा कि उनकी कंपनी 1979 से लंबी और भावनात्मक यात्रा का हिस्सा रही है। कंपनी ने हाल ही में अडाणी समूह के साथ एक नया अध्याय शुरू किया है। कंपनी ने विभिन्न प्रमुख प्रोजेक्ट्स जैसे बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट, जलविद्युत परियोजनाएं, सीमेंट प्लांट्स, और जयपी विश टाउन, जयपी ग्रीन्स, जयपी स्पोर्ट्स सिटी विकसित किया, जो कंपनी के लिए गर्व की बात रही है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी ने वित्तीय कठिनाइयों का सामना किया और उसे इनसॉल्वेंसी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। इस कठिन समय में कंपनी ने सभी हितधारकों, गृह-खरीदारों, कर्मचारियों, बैंकों और भागीदारों के साथ मिलकर समाधान निकालने का प्रयास किया। गौतम अडाणी की अडाणी समूह ने दिवालिया प्रक्रिया के तहत जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) का लगभग 14,535 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने की बोली जीती है। ये सौदा सीमेंट, बुनियादी ढांचा और रियल एस्टेट संपत्तियों के लिए है। सुप्रीम कोर्ट ने वेदांता समूह की आपत्तियों के बावजूद इस अधिग्रहण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

खूबसूरती के चक्कर में विवादों में आईं आयशा टाकिया

फिर ट्रांसफॉर्मेशन स्टोरी से जीता दिल

मुंबई। आयशा टाकिया अपने बदले हुए लुक और कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर चर्चा में रही। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के बावजूद आयशा ने आत्मविश्वास से जवाब दिया। आयशा ने फिल्मों में सफलता पाई। आयशा टाकिया शुक्रवार को अपना 40वां जन्मदिन मनाईं हैं। आयशा टाकिया का जन्म 10 अप्रैल 1986 को मुंबई में हुआ था। आयशा ने बॉलीवुड में अपनी मासूमियत और शानदार अभिनय से खास पहचान बनाई। हालांकि, अपने करियर के दौरान वह फिल्मों के साथ-साथ अपने लुक और कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर भी खूब चर्चा में रहीं। आयशा टाकिया ने बहुत छोटी उम्र में ही मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। महज 13 साल की उम्र में उन्होंने विज्ञापनों में काम करना शुरू कर दिया था। इसके बाद वह म्यूजिक वीडियोज में नजर आईं, जहां उन्होंने शाहिद कपूर और फाल्गुनी पाठक के साथ काम किया। फिल्मी करियर की शुरुआत उन्होंने टार्जनः द वंडर कार से की, जिसमें उनके साथ वत्सल सेठ नजर आए थे। इस फिल्म के लिए उन्हें काफी सराहना भी मिली। आयशा टाकिया ने अपने करियर में कई सफल फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय के लिए पुरस्कार भी जीते। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और नेचुरल एक्टिंग ने उन्हें दर्शकों का चहेता बना दिया। उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस के लिए जी सिने क्रिटिक्स अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया, जो उनके टैलेंट का प्रमाण है। साल 2017 में आयशा टाकिया अपने बदले हुए लुक को लेकर अचानक सुर्खियों में आ गईं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल हुईं, जिसके बाद लोगों ने उनके चेहरे में आए बदलाव पर चर्चा शुरू कर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने अपने लुक को निखारने के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा लिया था। हालांकि, इस बदलाव को लेकर उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग के बावजूद आयशा टाकिया ने हमेशा सकारात्मक रवैया अपनाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें साझा कर यह दिखाया कि वह अपने लुक को लेकर पूरी तरह आत्मविश्वासी हैं। दूसरी सर्जरी के बाद उनके लुक में और निखार देखने को मिला, जिसे उनके फैंस ने भी सराहा। उन्होंने यह साबित किया कि आत्मविश्वास ही असली खूबसूरती है। आयशा ने 2009 में फरहान आज़मी से शादी की, जिसके बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। आज भी आयशा टाकिया अपने स्टाइल और पर्सनैलिटी के लिए जानी जाती हैं। उनका सफर यह दिखाता है कि आलोचनाओं के बावजूद खुद पर भरोसा रखना ही सबसे बड़ी ताकत होती है।

'महावतार' में विक्की कौशल के साथ नजर आ सकती हैं श्रद्धा कपूर

विक्की कौशल के लिए साल 2025 बेहद सफल रहा, जब उनकी ऐतिहासिक फिल्म 'छावा' ने भारत में करीब 800 करोड़ रुपये का कारोबार करते हुए बड़ी सफलता हासिल की। अब दर्शकों की निगाहें उनकी अगली फिल्म 'महावतार' पर टिकी हैं। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस पौराणिक फिल्म को लेकर ताजा चर्चा है कि श्रद्धा कपूर इस प्रोजेक्ट से जुड़ सकती हैं, जिससे फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार 'स्त्री' फ्रैंचाइजी के निर्देशक अमर कौशिक अपनी इस महत्वाकांक्षी फिल्म के लिए श्रद्धा कपूर से बातचीत कर रहे हैं। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो फिल्म की शूटिंग जून, 2026 से शुरू की जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि श्रद्धा इस भूमिका के लिए उपयुक्त मानी जा रही हैं और टीम ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थी, जो स्टार पावर के साथ मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस भी लेकर आए। निर्माताओं को उम्मीद है कि विक्की और श्रद्धा की जोड़ी दर्शकों को पसंद आएगी। गौरतलब है कि इस फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री के तौर पर पहले दीपिका पादुकोण का नाम भी चर्चा में था। खबरें थीं कि निर्माता उनके साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अब फिलहाल ध्यान श्रद्धा कपूर पर केंद्रित होता दिख रहा है। श्रद्धा के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वह आने वाले समय में बायोपिक फिल्म 'ईथा' में नजर आएंगी।

रणदीप हुड्डा ने बताया बेटी का नाम, दिखाई पहली झलक

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम 10 मार्च को अपनी बेटी के माता-पिता बने थे। बेटी के जन्म के एक महीने बाद अब इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर उसकी पहली प्यारी तस्वीर शेयर की है और साथ ही उसके नाम का भी खुलासा किया है। शेयर की गई तस्वीरों में लिन लैशराम अपनी नन्ही बेटी को गोद में लिए नजर आ रही हैं। एक अन्य तस्वीर में वह बेटी को प्यार से उठाए हुए उस पर स्नेह लुटाती दिख रही हैं। इन खूबसूरत पलों को फैंस के साथ साझा करते हुए अभिनेता ने बेटी के नाम का भी ऐलान किया। रणदीप ने कैप्शन में लिखा, हमारी दुनिया का एक नया केंद्र'न्योमिक हुड्डा', दिव्य कृपा, स्वतंत्रता और आकाश के समान असीम। इसके साथ ही पोस्ट में एक ऑडियो रिकॉर्डिंग भी शामिल है, जिसमें रणदीप और लिन अपनी बेटी का नाम प्यार से पुकारते हुए सुनाई दे रहे हैं।

'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का नया गाना 'मेरा जी नहीं भरा' रिलीज

सलमान खान स्टारर फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' का नया रोमांटिक गाना 'मेरा जी नहीं भरा' रिलीज हो गया है। सलमान खान फिल्म्स म्यूजिक के बैनर तले जारी यह ट्रैक अपनी सुकून भरी धुन और भावनात्मक विजुअल्स के चलते दर्शकों के दिलों को छू रहा है। गाना ज़ैन शॉ और अभिश्री सेन पर फिल्माया गया है, जिसमें युद्ध जैसे कठिन माहौल के बीच पनपती एक खूबसूरत प्रेम कहानी को संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है। इसके मनमोहक लोकेशन्स और सौम्य प्रस्तुति इसे खास बनाते हैं। इस गाने को श्रेया घोषाल और विशाल मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज़ दी है, जो इसे और भी दिलकश बनाती है। संगीत शमीर टंडन और कुमार गौरव सिंह ने तैयार किया है, जबकि गीत के बोल विश्वदीप ज़ीस्त ने लिखे हैं। शबीना खान की कोरियोग्राफी गाने में एक अलग ही नज़ाकत और ग्रेस जोड़ती है। मेकर्स के अनुसार यह गाना फिल्म की कहानी में एक अहम मोड़ लाता है और भावनाओं की गहराई को दर्शाता है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले तैयार की गई है और बहादुरी, बलिदान व हिम्मत की कहानी पेश करती है। ज़ैन शॉ जहां अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाते नजर आ रहे हैं, वहीं अभिश्री सेन इस फिल्म से एक मजबूत डेब्यू कर रही हैं। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका निभाती दिखाई देंगी। यह गाना मुश्किल हालातों में भी प्यार और इंसानियत को खोजने को खूबसूरती से सामने लाता है।